सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गंभीर की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, हाई कोर्ट ने इस मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने -पेजः 7

रागिनी एमएमएस 3 में तमन्ना की एंट्री -पेजः 8

वर्षः 01 | अंकः 139 | गुरुवार 28 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

गुजरात कोई आर्थिक मॉडल नहीं, 'वोट चोरी का मॉडल' है, वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी का आरोप

गुजरात (एजेंसी): लोकसभा नेता राहुल गांधी ने राजद नेता तेजस्वी यादव और सीपीआई (एमएल) नेता दीपांकर भट्टाचार्य के साथ बुधवार को मुजफ्फरपुर में 'मतदाता अधिकार यात्रा' निकाली। उनके साथ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके सांसद कनिमोझी भी शामिल हुए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यहां आते समय 6 साल के बच्चों के एक समूह ने मेरी तरफ देखा और कहा 'नरेंद्र मोदी वोट चोर'। 6 साल के बच्चे भी समझ गए हैं कि भारत में वोट चोरी हो रहे हैं। कुछ दिन पहले अमित शाह ने कहा था कि भाजपा अगले 40 साल तक सत्ता में रहेगी। राहुल ने कहा कि राजनीति में क्या होगा, यह कोई नहीं जानता, लेकिन अमित शाह अगले 40 साल का भविष्य जानते हैं। कैसे? वोट चोर। भाजपा पर निशान साधते हुए उन्होंने कहा कि वोट चोरी की शुरूआत 2014 से पहले गुजरात में हुई थी। और 2014 में वे इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले आए। गुजरात मॉडल कोई आर्थिक मॉडल नहीं है; यह 'वोट चोरी' का मॉडल है। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव चुराए। हमने कुछ नहीं कहा क्योंकि हमारे पास कोई सबूत नहीं था। लेकिन हमें महाराष्ट्र में सबूत मिल गए क्योंकि उन्होंने वहाँ बहुत ज्यादा वोट चुराए। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में लगभग 1 करोड़ वोट और जोड़ दिए। ये सभी भाजपा को मिले। हम आपको सबूत के साथ दिखाएंगे कि कैसे हरियाणा, महाराष्ट्र और लोकसभा चुनाव चुराए गए। कांग्रेस नेता ने कहा कि वोट चोरी सिर्फ कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल सीट पर नहीं हुई। हिंदुस्तान की 70-80 सीटों पर वोट चोरी की गई। हमने काम शुरू कर दिया है। हम आपको दिखाएंगे कि किस तरह से अलग-अलग चुनाव चोरी किए गए। जैसे हमने महादेवापुरा के सबूत देश के सामने रखे, वैसे ही हम बाकी जगहों के सबूत भी सबके सामने रखेंगे। इससे पहले आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर बिहार के "गौरव और स्वाभिमान" का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों ने बिहारियों का मजाक उड़ाने वाले नेताओं को राज्य में 'मतदाता अधिकार यात्रा' अभियान में शामिल होने के लिए बार-बार आमंत्रित किया है। एक्स पर एक पोस्ट में, भाजपा नेता भंडारी ने लिखा, "राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार के लोगों को गाली देने वालों को राज्य में प्रचार के लिए लाकर बिहार के गौरव और 'स्वाभिमान' का अपमान कर रहे हैं!" उन्होंने कांग्रेस नेताओं द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणियों को याद करते हुए कहा, "रेवंत रेड्डी, प्रियंका वाड्रा के बाद अब उन्हें स्टालिन मिल गया है! - रेवंत रेड्डी, जिन्होंने बिहारी डीएनए का मजाक उड़ाया - प्रियंका वाड्रा, जिन्होंने चरणजीत चन्नी द्वारा बिहारियों को गाली दिए जाने पर बेशर्मी से ताली बजाई।" भंडारी ने डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर भी निशाना साधा, जिनकी पार्टी ने एक बार इस टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा किया था। "एमके स्टालिन की डीएमके, जिसने कहा था कि "बिहार के लोग शौचालय साफ करते हैं", यह कोई संयोग नहीं है। यह आरजेडी-कांग्रेस की मानसिकता है। उन्होंने कहा, "अवैध बांग्लादेशी "वोट बैंक" हैं।" भंडारी ने एक्स पर आगे कहा, "मेहनती बिहारी दुर्व्यवहार के निशाने पर हैं।"

राहुल ने कहा कि राजनीति में क्या होगा, यह कोई नहीं जानता, लेकिन अमित शाह अगले 40 साल का भविष्य जानते हैं। कैसे? वोट चोर। भाजपा पर निशान साधते हुए उन्होंने कहा कि वोट चोरी की शुरूआत 2014 से पहले गुजरात में हुई थी। और 2014 में वे इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले आए।

आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया गया कि भारतीयों के जीवन से खेल का क्या परिणाम होता है: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि भारतीय नागरिकों की जान से खेलने का क्या परिणाम होता है। शाह ने साथ ही कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से लोगों को तसल्ली मिली और ऑपरेशन महादेव ने इस तसल्ली को आत्मविश्वास में बदला। शाह ने भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के उन जवानों को सम्मानित करते हुए यह बात कही जिन्होंने ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया। सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों एवं सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था।

योगी का विपक्ष पर हमला: यूपी कभी बीमारू नहीं था, वंशवाद-भ्रष्टाचार ने डुबोया था

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि उत्तर प्रदेश मूलतः 'बीमारू' राज्य नहीं था, बल्कि भ्रष्ट राजनीतिक दलों, वंशवाद और नियुक्तियों में पक्षपात के कारण पतन की ओर धकेला गया था। वह लोक भवन सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहाँ यूपीएसएसएससी की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित 2,425 महिला पर्यवेक्षकों और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। योगी ने कहा कि 1947 से 1960 तक, उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक था, जिसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 14 प्रतिशत से अधिक का योगदान था। उन्होंने कहा कि यह गिरावट 1960 के बाद शुरू हुई और 1990 के बाद और तेज हो गई। 2017 तक, उत्तर प्रदेश का हिस्सा 8 प्रतिशत से भी कम रह गया था। उन्होंने आगे कहा कि राज्य भ्रष्टाचार, दंगों और उपेक्षा से ग्रस्त था, जिसके कारण युवाओं को पलायन करना पड़ा और उन्हें बाहर भी पहचान के संकट से जूझना पड़ा। सरकार के पारदर्शी भर्ती अभियान पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने कहा कि अब दूरदराज और आदिवासी इलाकों के योग्य युवाओं तक अवसर पहुँच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर युवा के सपने होते हैं, लेकिन जब वे भेदभाव का शिकार होते हैं, तो यह राष्ट्रीय क्षति है। आज की निष्पक्ष नियुक्तियाँ साबित करती हैं कि प्रतिभा हर जगह है—बस उसे अवसर की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त महिला पर्यवेक्षकों और फार्मासिस्टों को बधाई दी और पोषण एवं बाल कल्याण सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र 2047 के विकासशील भारत की नींव होंगे और इस बात पर जोर दिया कि एक स्वस्थ बचपन एक समृद्ध भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने नियुक्त लोगों से ईमानदारी और बिना किसी भेदभाव के सेवा करने का आग्रह किया और उनकी भूमिका की तुलना "भगवान कृष्ण का पालन-पोषण करने वाली माता यशोदा" से की। स्कूलों के विलय की विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए, योगी ने कहा कि जीर्ण-शीर्ण स्कूलों का स्थानांतरण और छात्र-शिक्षक अनुपात में सुधार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है।

बंगाल चुनाव से पहले आदिवासी वोटों पर बीजेपी का फोकस, क्यों अहम है बंगाल का 'जंगल महल'

पश्चिम बंगाल (एजेंसी): पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में एक साल से भी कम समय बचा है, ऐसे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य के आदिवासी बहुल इलाकों पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर आदिवासी समुदाय की व्यवस्थित उपेक्षा और अत्याचार का आरोप लगाया है। पार्टी अब आदिवासी अधिकारों पर केंद्रित एक बड़े राजनीतिक आंदोलन की तैयारी कर रही है। विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने पुरुलिया, मेदिनीपुर और देबरा सहित विभिन्न जिलों में आदिवासियों के खिलाफ हिंसा और अन्याय की पाँच हालिया घटनाओं के ठोस सबूत पेश किए। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अधिकारी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेषकर जंगल महल क्षेत्र में लक्षित रूप से परेशान करने का आरोप लगाया। पिछले एक महीने में ही हमने आदिवासियों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अत्याचार देखे हैं। आदिवासी समुदाय की उपेक्षा की जा रही है, उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और न्याय से वंचित रखा जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि हम सबूत इकट्ठा कर रहे हैं और अदालत का रुख करेंगे। जरूरत पड़ने पर हम राज्यपाल से भी मिलेंगे। भाजपा द्वारा प्रस्तुत कथित घटनाओं की सूचीः 1. पुरुलिया - आदिवासी महिलाओं पर कथित अत्याचार। 2. मेदिनीपुर - एक आदिवासी फुटबॉल रेफरी की तृणमूल नेता ने पिटाई की; हालाँकि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन जल्द ही उसे जमानत मिल गई। 3. झारग्राम - सुबल सोरेन की नौकरी छूटने के बाद स्ट्रोक से कथित तौर पर मृत्यु हो गई, जिसे भाजपा "संस्थागत हत्या" का मामला बताती है। 4. देबरा - भाजपा का दावा है कि डॉ. सोरेन की पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी। 5. पुरुलिया - आदिवासी युवक धनंजय को एक विशेष धार्मिक समुदाय के लोगों ने कथित तौर पर प्रताड़ित किया।

जल-जीवन-हरियाली अभियान से बिहार के 2,41, 782 हेक्टेयर खेतों तक पहुंचा सिंचाई का पानी

बिहार (एजेंसी): लघु जल संसाधन विभाग द्वारा "जल-जीवन-हरियाली अभियान" के तहत राज्यभर में 2,41,782 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता विकसित करने के साथ ही कुल 993 लाख घनमीटर जल संचयन क्षमता का पुनर्स्थापन कर लिया गया है। लघु जल संसाधन विभाग ने परंपरागत जल स्त्रोतों के पुनरूद्धार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए अबतक कुल 2,507 योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें अबतक 2,297 योजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं। इन सभी 2507 योजनाओं को पूर्ण कर राज्य में 2,70,697 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता को पुनर्स्थापन करने का लक्ष्य तय किया गया है। यहां उल्लेखनीय है कि विगत वर्षों में व्यापक जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप वषापात में कमी एवं भूगर्भ जल के अत्यधिक दोहन के फलस्वरूप भूगर्भ जलस्तर में उत्तरोत्तर कमी आने के कारण बिहार के विभिन्न जिलों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन की इस विषम स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2019 में "जल-जीवन-हरियाली अभियान" की शुरूआत की है। जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत क्रियान्वित योजनाओं में गुणवत्ता युक्त कार्य सम्पन्न कराते हुए जहां एक ओर राज्य में रोजगार के नए अवसर सृजित किये गये हैं, वहीं दूसरी ओर जलस्त्रोतों में जल संचयन एवं सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। जल स्त्रोतों में जल संग्रह के फलस्वरूप भूगर्भ जलस्तर में व्यापक सुधार हुआ है। आहर-पईनों एवं तालाबों व पोखरों के मेढ़ पर वृक्षारोपण किये जाने से हरित क्षेत्र में भी वृद्धि हुई है।

हरियाणा में आंकडों की बाजीगरी से अपराध कम होने वाले नहीं: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (एजेंसी): अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिच, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि कहा कि केंद्र सरकार ने 130वां संविधान संशोधन बिल लाकर एक प्रकार से देश में अघोषित इमरजेंसी लागू की है, और इसके सहारे सरकार लोकतंत्र की हत्या करना चाहती है। दूसरी ओर हरियाणा की भाजपा सरकार द्वारा 1984 के दंगा पीडितों के परिजनों को 11 साल बाद नौकरी देने की घोषणा केवल पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर की गई है यह एक राजनीतिक चाल है इसके सिवाय कुछ नहीं। मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि 130वां संविधान संशोधन बिल के बाद अब 30 दिन की हिरासत किसी भी एजेंसी के दुरुपयोग से हासिल की जा सकती है। यह बिल लोकतंत्र के लिए खतरनाक मिसाल बन सकता है। सत्ता पक्ष इसका गलत इस्तेमाल कर सकता है। ये सरकार ताकत का इस्तेमाल करके जन विरोधी कानून लाने की कोशिश कर रही है, मनमानी तरीके से कानून ला रही है। ये भारतीय संविधान का काला अध्याय है। विपक्ष को बोलने ना देना अधिकारों का हनन है। ये विधेयक न्यायपालिका की स्वतंत्रता खत्म कर देगा। यह विधेयक संविधान के मूल ढांचे को रौंदता है। विधेयक देश के कानूनों के मौलिक सिद्धांतों के खिलाफ है। यह विधेयक न्याय के खिलाफ है। हरियाण सरकार द्वारा 1984 के दंगा पीडितों के परिजनों को नौकरी दिए जाने को कुमारी सैलजा ने एक राजनीतिक षणयंत्र करार देते हुए कहा कि पिछले 11 सालों में भाजपा सरकार को सिख दंगा पीड़ितों की याद नहीं आई पर पंजाब में विधानसभा चुनाव को देखकर उसे सब कुछ याद आने लगा। भाजपा पंजाब में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही है, जो उसके लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। भाजपा पंजाब में लोकसभा चुनावों में कोई सीट नहीं जीत पाई, जबकि 2022 के विधानसभा चुनावों में केवल दो सीटें जीतने में सफल रही। पंजाब में सैनी समुदाय के सदस्य हरियाणा की तुलना में अधिक संख्या में हैं। उनका होशियारपुर, नवांशहर (शहीद भगत सिंह नगर), जालंधर, रोपड़ (रूपनगर) और गुरदासपुर में 10 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में प्रभाव है। ऐसे में भाजपा सरकार का यह फैसला पंजाब में बीजेपी की पैठ बढ़ाने की कोशिश है। पंजाब में सैनी समुदाय की अच्छी खासी आबादी है। बीजेपी उन्हें लुभाने की कोशिश कर रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस फैसले का पंजाब के चुनावों पर क्या असर पड़ता है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में नशा और अपराध तेजी से बढ़ रहे है, जनता दहशत में जी रही है और सरकार इसे बात को मानने के लिए कतई तैयार नहीं है। प्रदेश में हत्या, लूट, रंगदारी, बलात्कार का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम देकर सरेआम घूम रहे है और शासन और पुलिस प्रशासन हाथ पर हाथ रखे हुए बैठे है

'अगर हमें कोई चुनौती देता है तो: राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर फिर साधा निशाना; बताया भारत कैसे लड़ेगा युद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार (27 अगस्त, 2025) को मध्य प्रदेश के महू में रण-संवाद 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आने वाले समय में युद्ध कैसे लड़ा जाएगा। साथ ही रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत कभी पहले आक्रमण नहीं करता लेकिन अगर चुनौती मिलती है तो उसका पूरी ताकत के साथ जवाब दिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा, "कार्यक्रम का शीर्षक, 'रण संवाद', मुझे बहुत दिलचस्प लगा। यह नाम ही चिंतन और मनन का विषय है। एक ओर 'रण' युद्ध और संघर्ष की कल्पना जगाता है तो दूसरी ओर 'संवाद' संवाद, चर्चा और सुलह की ओर इशारा करता है। पहली नजर में, ये दोनों शब्द विरोधाभासी लगते हैं। जहां युद्ध है, वहां संवाद कैसे हो सकता है और जहां संवाद हो रहा है, वहां युद्ध कैसे हो सकता है? लेकिन गहराई से देखें तो यही नाम हमारे समय की सबसे प्रासंगिक सच्चाइयों में से एक को अपने में समेटे हुए है।" 'रण-संवाद का ऐतिहासिक आधार' रण-संवाद 2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "रण-संवाद का भारत में एक ऐतिहासिक आधार भी है और यह मुझे हमारे इतिहास की कई घटनाओं की याद दिलाता है जो हमें दिखाती हैं कि कैसे सभ्यतागत युद्धों का अर्थ 'रण' और संवादों का अर्थ 'संवाद' होता है और भारत में ये दोनों आपस में गुंथे हुए थे। हमारी संस्कृति में, संवाद युद्ध से अलग नहीं है। यह युद्ध से पहले होता है। यह युद्ध के दौरान होता है और युद्ध के बाद भी जारी रहता है। उदाहरण के लिए, महाभारत को ही लें, युद्ध को रोकने के लिए, भगवान कृष्ण शांति के दूत के रूप में गए। वे संवाद करने गए ताकि युद्ध को टाला जा सके।" उन्होंने कहा, "भविष्य के युद्ध केवल हथियारों की लड़ाई नहीं होंगे; वे प्रौद्योगिकी, खुफिया, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का संयुक्त खेल होंगे। आने वाले समय में जो राष्ट्र प्रौद्योगिकी, रणनीति और अनुकूलनशीलता के त्रिकोण में निपुण होगा, वही सच्ची वैश्विक शक्ति के रूप में उभरेगा। सरल शब्दों में कहें तो यह इतिहास से सीखने और एक नया इतिहास लिखने का समय है; यह भविष्य का अनुमान लगाने और उसे आकार देने का समय है।" राजनाथ सिंह ने कहा, "आज, 21वीं सदी में, यह परिवर्तन और भी तेज हो गया है। सिर्फ सैनिकों की संख्या या हथियारों के भंडार का आकार अब पर्याप्त नहीं है। साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानवरहित हवाई वाहन और उपग्रह-आधारित निगरानी भविष्य के युद्धों को आकार दे रहे हैं। सटीक निर्देशित हथियार, वास्तविक समय की खुफिया जानकारी और डेटा-संचालित जानकारी अब किसी भी संघर्ष में सफलता की आधारशिला बन गए हैं। आधुनिक युद्ध अब जमीन, समुद्र और हवा तक ही सीमित नहीं हैं; वे अब अंतरिक्ष और साइबरस्पेस तक फैल गए हैं। उपग्रह प्रणालियां, उपग्रह-रोधी हथियार और अंतरिक्ष कमान केंद्र शक्ति के नए साधन हैं। इसलिए, आज हमें केवल रक्षात्मक तैयारी की ही नहीं, बल्कि एक सक्रिय रणनीति की भी आवश्यकता है।" रण-संवाद 2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "भारत कभी भी युद्ध चाहने वाला राष्ट्र नहीं रहा है। हमने कभी किसी के विरुद्ध आक्रमण नहीं किया है। वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकता बिल्कुल अलग है। हालांकि हमारी कोई आक्रामक मंशा नहीं है, फिर भी अगर कोई हमें चुनौती देता है तो यह जरूरी हो जाता है कि हम पूरी ताकत से उसका जवाब दें। ऐसा करने के लिए, हमें अपनी रक्षा तैयारियों को निरंतर बढ़ाना होगा।

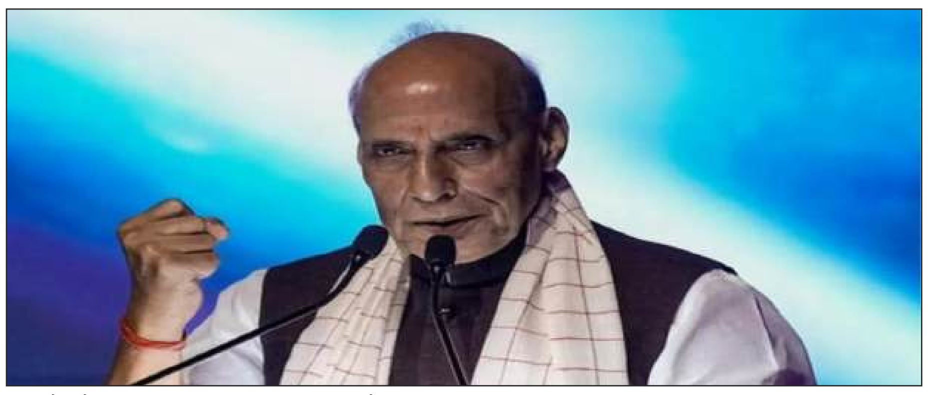

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश के महू में रण-संवाद 2025 कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने भविष्य में युद्ध लड़ने के तरीकों पर प्रकाश डाला। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत पहले आक्रमण नहीं करेगा

संपादकीय

जनहित का मामला नहीं

दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ड़िग्री दिखाने की मांग करने वालों के मंसूबों पर ठंड़ा पानी ड़ाल दिया है। अदालत ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को ही रद्द कर दिया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक ड़िग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था। इसे निहायत व्यक्तिगत जानकारी मानते हुए अदालत ने साफ कर दिया कि यह कोई जनहित का मामला नहीं है, जो ड़िग्री को सार्वजनिक किया जाए। सीआईसी के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय (ड़ीयू) की याचिका पर न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने यह फैसला सुनाया। विद्वान न्यायाधीश ने फैसले में स्पष्ट किया कि 'कुछ ऐसा जो जनता की जिज्ञ-ासा का विषय हो' और 'कुछ ऐसा जो जनता के हित में हो' बिल्कुल अलग अलग बातें हैं। सूचना का अधिकार के तहत नीरज नामक एक व्यक्ति के आवेदन के बाद, सीआईसी ने 1978 में बीए (कला स्नातक) की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दे दी थी। प्रधानमंत्री ने भी यह परीक्षा वर्ष 1978 में ही उत्तीर्ण की थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मामले में सवाल उठाने पर उच्च न्यायालय ने सीआईसी के आदेश पर 23 जनवरी, 2017 को रोक लगा दी थी। सोमवार को आए फैसले ने स्पष्ट कर दिया कि आरटीआई आवेदन में मांगी गई जानकारी में जनहित निहित नहीं है। यह भी साफ कर दिया गया कि शैक्षिक योग्यता कोई ऐसी वैधानिक आवश्यकता नहीं है जो किसी सार्वजनिक पद को संभालने या सरकारी जिम्मेदारियां निभाने को जरूरी हो। सच है कि हमारे देश में सांसद, विधायक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता कभी बाधक नहीं रही है। वर्तमान लोक सभा में भी तमाम सांसद 12वीं, दसवीं या उससे कम पढ़े लिखे हैं। आरटीआई अधिनियम को सरकारी कामकाज में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था, न कि सनसनी फैलाने के लिए। इस फैसले से पूर्व केद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को भी राहत मिलेगी। अदालत के फैसले ने सीईसी में बैठे अधिकारियों के ज्ञान के स्तर को भी एक तरह से कठघरे में खड़ा कर दिया है। यदि उन्होंने समझदारी से काम लिया होता तो विवाद ही खड़ा नहीं होता। कांग्रेस का कहना है कि इस मामले को इतना गोपनीय क्यों बनाया जा रहा है। क्या इसीलिए आरटीई में छह साल पहले संशोधन

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चुनावी प्रचार सोशल मीडिया पर, तो विधानसभा क्यों नहीं?

डॉ. प्रियंका सौरभ

सदन की मयार्दा या जनता का अधिकार झ्र गरिमा की रक्षा या जनता से दूरी?

यदि विधानसभा की कार्यवाही सोशल मीडिया पर प्रसारित करना प्रतिबंधित है तो फिर नेताओं और दलों को भी चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं करना चाहिए। आज वोट माँगने के लिए रैलियों और टीवी के साथ-साथ फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाता है। ऐसे में केवल सदन की कार्यवाही को रोकना अनुचित प्रतीत होता है। लोकतंत्र में नियम सबके लिए समान हों, तभी व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रह सकता है। भारत में 82 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 45 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। टीवी दर्शकों की संख्या घट रही है और लोग मोबाइल पर सीधे समाचार देखना पसंद करते हैं। विधानसभा की कार्यवाही केवल टीवी चैनलों तक सीमित करने का निर्णय लोकतांत्रिक पारदर्शिता को सीमित कर सकता है। बेहतर उपाय यह होगा कि विधानसभाएँ अपने आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाएँ, जहाँ कार्यवाही का सम्पूर्ण और सत्य प्रसारण हो। इस तरह सदन की गरिमा भी बनी रहेगी और जनता को सूचना तक पहुँच का अधिकार भी मिलेगा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी पारदर्शिता और जनता की भागीदारी में निहित है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करती हैं और वही स्थान हैं जहाँ नीतियाँ, कानून और जनहित से जुड़े अहम मुद्दे तय किए जाते हैं। ऐसे में सदन की कार्यवाही तक जनता की पहुँच किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियादी जरूरत कही जा सकती है। हाल ही में हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिया गया यह निर्णय कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर और वेब चैनलों पर अब विधानसभा की कार्यवाही का प्रसारण नहीं किया जाएगा, कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। यह फैसला पारदर्शिता को सीमित करने वाला है या फिर सदन की गरिमा को बचाने वाला—यही इस संपादकीय का मूल प्रश्न है।

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया ने भारतीय लोकतंत्र में एक नई क्रांति ला दी है। पहले जहाँ लोग टीवी समाचार चैनलों या अखबारों के भरोसे रहते थे, वहीं अब फेसबुक लाइव, यूट्यूब स्ट्रीमिंग और ट्विटर अपडेट्स से उन्हें तुरंत जानकारी मिल जाती है। विधानसभा या संसद जैसी संस्थाओं की कार्यवाही अब केवल दीवारों के भीतर सीमित नहीं रही, बल्कि सीधे जनता के मोबाइल स्क्रीन पर पहुँचने लगी।

यह बदलाव सकारात्मक भी था। आम नागरिक, खासकर युवा, लोकतांत्रिक विमर्श से जुड़ने लगे। उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि उनके चुने प्रतिनिधि सदन में उनके मुद्दों पर किस तरह की बहस कर रहे हैं। लेकिन साथ ही इसके नकारात्मक पहलू भी सामने आए। कई बार सदन की गंभीर बहस के छोटे-छोटे अंश निकालकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए, जिनका प्रयोग राजनीतिक प्रचार, व्यंग्य या गलतफहमियाँ फैलाने के लिए किया गया। नतीजतन, कार्यवाही का वास्तविक उद्देश्य पीछे छूट गया और विवादों ने ज्यादा सुर्खियाँ बटोरीं।

हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हरिविंद्र कल्याण का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर वायरल होते वीडियो-संदेशों ने सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। कई बार असंसदीय शब्दों, हंगामों और कटाक्षों के छोटे-छोटे हिस्सों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, जिससे जनता तक केवल नकारात्मक छवि ही पहुँचती है। उन्होंने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब से केवल मान्यता प्राप्त टीवी चैनल ही कार्यवाही का सीधा प्रसारण कर सकेंगे, जबकि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव या रिकॉर्डिंग डालने पर सख़्त प्रतिबंध रहेगा। उनका तर्क यह भी है कि सदन की कार्यवाही से हटाए गए शब्दों और अंशों को सोशल मीडिया पर प्रसारित करना सीधा नियमों का उल्लंघन है। इसलिए इस पर रोक लगाना आवश्यक है। आदेश में यह भी कहा गया है कि उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

हालाँकि यह तर्क सतही तौर पर सही प्रतीत होता है, लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से कई प्रश्न भी खड़े करता है। विधानसभा जनता के टैक्स से चलती है, और वहाँ की हर गतिविधि का सीधा संबंध नागरिकों से है। ऐसे में सूचना तक पहुँच को सीमित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत माना जा सकता है। आज की युवा पीढ़ी टीवी नहीं देखती। वह यूट्यूब, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर सक्रिय है। यदि केवल टीवी चैनलों तक कार्यवाही सीमित कर दी जाएगी, तो एक बड़ी आबादी लोकतांत्रिक विमर्श से वंचित रह जाएगी। जब केवल चुनिंदा माध्यमों को अनुमति होगी, तो यह संदेश जाएगा कि सूचना पर नियंत्रण किया जा रहा है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही कमजोर होगी। भारत में 82 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैंलगभग 45 करोड़ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि) पर सक्रिय हैं। टीवी देखने वालों की संख्या घट रही है, जबकि मोबाइल पर समाचार देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संसद टीवी और राज्य विधानसभाओं के चैनल बहुत कम दर्शकों तक पहुँच पाते हैं, जबकि यूट्यूब पर एक लाइव स्ट्रीम लाखों दर्शक जुटा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, लोकतंत्र में डिजिटल पारदर्शिता ही जनता का विश्वास बनाए रखने का सबसे बड़ा साधन है।

टीवी चैनल अब भी सीमित वर्ग तक ही पहुँचते हैं, जबकि सोशल मीडिया की पहुँच गाँव-गाँव और युवाओं तक है। भारत जैसे देश में जहाँ डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहाँ सूचना को केवल टीवी चैनलों तक सीमित करना समय की माँग से मेल नहीं खाता। आज की राजनीति और समाज का बड़ा विमर्श ट्विटर ट्रेंड्स और यूट्यूब डिबेट्स में ही आकार लेता है।

यह सही है कि सदन की कार्यवाही को असंदर्भित तरीके से सोशल मीडिया पर फैलाना उचित नहीं। कई बार मजाक या राजनीतिक हमले के लिए हिस्से काटकर वायरल कर दिए जाते हैं। इससे जनता तक अधूरी और गलत तस्वीर पहुँचती है। लेकिन समाधान यह नहीं कि पूरी तरह से रोक लगा दी जाए।

बेहतर उपाय यह हो सकता है कि विधानसभा खुद एक आधिकारिक यूट्यूब चैनल, ट्विटर हैंडल और इंस्टाग्राम अकाउंट बनाए। वहाँ से कार्यवाही का सम्पूर्ण और बिना संपादन वाला प्रसारण किया जाए। साथ ही स्पष्ट नियम बनाए जाएँ कि अन्य लोग इस आधिकारिक कंटेंट को संदर्भ बदलकर नहीं इस्तेमाल कर सकते। इस तरह मयार्दा भी बनी रहेगी और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में संसद और विधानसभा की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से जनता तक पहुँचाई जाती है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने अपनी संसद की कार्यवाही को ऑनलाइन सुलभ कर रखा है। वहाँ भी असंसदीय शब्द या हंगामे होते हैं, लेकिन फिर भी जनता को सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है ताकि लोकतंत्र में विश्वास बना रहे।

मुद्दाः गणपति पूजन और प्रकृति का सम्मान

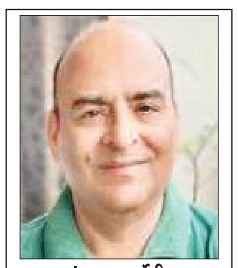

पंकज चतुर्वेदी

कुछ ही दिनों में बारिश के बादल अपने घरों को लौटने वाले हैं। सुबह सूरज कुछ देर से दिखेगा और जल्दी अंधेरा छाने लगेगा। असल में मौसम का यह बदलता मिजाज उमंगों-खुशहाली के स्वागत की तैयारी है। सनातन मान्यताओं की तरह प्रत्येक शुभ कार्य के पहले गजानन गणपति की आराधना अनिवार्य है और इसीलिए उत्सवों का प्रारंभ गणेश चतुर्थी से ही होता है। कुछ साल पहले प्रधानमंत्री 'मन की बात' में अपील कर चुके हैं कि देव प्रतिमाएं प्लास्टर आफ पेरिस (पीओपी) की नहीं बनाएं, मिट्टी की ही बनाएं। तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान की सरकारें भी ऐसे आदेश जारी कर चुकी हैं, लेकिन राजधानी दिल्ली से सटे साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के बाहर धड़ल्ले से पीओपी की प्रतिमाएं बन रही हैं और बिक भी रही हैं। ऐसा ही दृश्य देश के हर बड़े-छोटे कस्बों में देखा जा सकता है।

यह तो प्रारंभ है, इसके बाद दुर्गा पूजा या नवरात्रि, विश्वकर्मा पूजा, दीपावली से ले कर होली तक एक के बाद एक के आने वाले त्योहार असल में किसी जाति-पंथ के नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की मजबूत कड़ियां हैं। विडंबना है कि जिन पर्व-त्योहारों के रीति रिवाज, खानपान कभी समाज और प्रकृति के अनुरूप हुआ करते थे, आज पर्व के मायने हैं पर्यावरण, समाज और संस्कृति सभी का क्षरण। निर्देश, आदेश, अदालतों के फरमान के बावजूद गणपति-पर्व का मिजाज बदलता नहीं दिख रहा है। महाराष्ट्र, उससे सटे गोवा, आंध प्रदेश व तेलगांना, छत्तीसगढ़, गुजरात व मप्र के मालवा-निमाड़ अंचल में पारंपरिक रूप से मनाया जाने वाला गणेशोत्सव अब देश में हर गांव-कस्बे तक फैल गया है। दिल्ली में ही हजार से ज्यादा छोटी-बड़ी मूर्तियां स्थापित हो रही हैं। यही नहीं मुंबई के प्रसिद्ध लाल बाग के राजा की ही तरह विशाल प्रतिमा, उसी नाम से यहां देखी जा सकती है। पारंपरिक तौर पर मूर्ति मिट्टी की बनती थी, जिसे प्राकृतिक रंगों, कपड़ों आदि से सजाया जाता था। आज प्रतिमाएं प्लास्टर आफ पेरिस से बन रही हैं, जिन्हें रासायनिक रंगों से पोता जाता है। कुछ राज्य सरकारों ने प्लास्टर आफ पेरिस की मूर्तियों को जब्त करने की चेतावनी भी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया और पूरा बाजार घटिया रासायनिक रंगों से पुती पीओपी की प्रतिमाओं से पटा हुआ है। गणेशात्सव का समापन होते ही नवरात्रि में दुर्गा पूजा शुरू हो जाएगी। यह भी लगभग पूरे भारत में मनाया जाने लगा है। हर गांव-कस्बे में एक से अधिक स्थानों पर सार्वजनिक पूजा पंडाल बन रहे हैं। बीच में विश्वकर्मा पूजा भी आ गई और अब इसी की प्रतिमाएं बनाने की रिवाज शुरू हो गई है। कहना ना होगा कि प्रतिमा स्थापना कई हजार करोड़ की चंदा वसूली का जरिया है। एक अनुमान है कि हर साल देश में इन तीन महीनों के दौरान 10 लाख से ज्यादा प्रतिमाएं बनती हैं और इनमें से 90 फीसद पीओपी की होती है। इस तरह देश के ताल-तलैया, नदियों-समुद्र में नब्बे दिनों में कई सौ टन प्लास्टर आफ पेरिस, रासायनिक रंग, पूजा सामग्री मिल जाती है। पीओपी ऐसा पदार्थ है जो कभी समाप्त नहीं होता है। इससे वातावरण में प्रदूषण का मात्रा के बढ़ने की संभावना बहुत अधिक है। प्लास्टर आफ पेरिस, कैल्शियम सल्फेट हेमी हाइड्रेट होता है जो कि जिप्सम (कैल्शियम सल्फेट डीहाइड्रेट) से बनता है चूंकि ज्यादातर मूर्तियां पानी में न घुलने वाले पीओपी से बनी होती है, उन्हें विषैले एवं पानी में न घुलने वाले नॉन बायोडिग्रेडेबेल रंगों में रंगा जाता है, इसलिए हर साल इन मूर्तियों के विसर्जन के बाद पानी की बॉयोलॉजिकल आक्सीजन डिमांड तेजी से घट जाती है जो जलजन्य जीवों के लिए कहर बनता है। वैसे बहुत से राज्य ऐसी प्रतिमाओं को नदी-तालाब के स्थान पर कृत्रिम बनाए गए तालाबों में विसर्जन की व्यवस्था कर रहे हैं, लेकिन इस तरह विसर्जित प्रतिमाओं का जहर भी अंततः प्रकृति में ही घुलता है। परंपरा तो ही थी कि कुम्हार नदी-सरिताओं के तट से यह चिकनी महीन मिट्टी ले कर आता था और उससे प्रतिमा गढ़ता था। पूजा होती थी और-'तेरा तुझको अर्पण' की सनातन परंपरा के अनुसार उस मिट्टी को फिर से जल में ही प्रवाहित कर दिया जाता था, लेकिन आज तो हम नदी में जहर बहा रहे हैं जो जलचरों का काल बना है।

सवाल खड़ा होता है कि तो क्या पर्व-त्योहारों का विस्तार गलत है? इन्हें मनाना बंद कर देना चाहिए?

एक तो हमें प्रत्येक त्योहर की मूल आत्मा को समझना होगा, जरूरी तो नहीं कि बड़ी प्रतिमा बनाने से ही भगवान ज्यादा खुश होंगे! क्या छोटी प्रतिमा बना कर उसका विसर्जन जल-निधियों की जगह अन्य किसी तरीके से करके, प्रतिमाओं को बनाने में पर्यावरण मित्र सामग्री का इस्तेमाल करने जैसे प्रयोग तो किए जा सकते हैं। भारतीय पर्व असल में प्रकृति को उसकी देन-आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देने के लिए होते हैं, लेकिन इस पर बाजारवाद जो रंग चढ़ा है, उससे वे प्रकृति-हंता बन कर उभरे हैं। प्रशासन के लिए भी प्रधानमंत्री की अपील काफी है कि वह बलात पीओपी की प्रतिमाओं के निर्माण पर पाबंदी लगाए। समाज को भी गणपति या देवी प्रतिमाओं को पानी में विसर्जित करने के बजाए जमींदोज करने के विकल्प पर विचार करना चाहिए।

संघ प्रमुख के व्याख्यान से साफ होगी वैचारिक तस्वीर

संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा वाले देश में हाल के दिनों में सार्वजनिक चचाओं की गुंजाइश लगातार कम हुई है। इसे कभी असहिष्णुता तो तभी दूसरे विचार की उपेक्षा के तौर पर देखा गया है। देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद प्रधानमंत्री तक से शिकायत है कि संवाद नहीं रहा। ऐसे माहौल में अगर देश का पुराना संगठन और उसका प्रमुख खुद संवाद के लिए आगे आता है तो उसका भी स्वागत होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन राव भागवत की दिल्ली में होने जा रहे संवाद कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खुद पर उठने वाले सामाजिक और राजनीतिक सवालों के साथ ही आक्षेपित आरोपों पर जवाब देने की तैयारी है। इस कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है, देखना है कि कितने दलों के लोग इसमें शामिल होते हैं।

संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संघ से जो जुड़े हैं, जो उसके कार्यकर्ता हैं, जो स्वयंसेवक हैं, वे जानते हैं कि संघ है क्या, संघ की सोच क्या है और संघ किन विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। बहरहाल साल 2018 का वह आयोजन सिर्फ दिल्ली में हुआ था। संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं।

किसी संगठन का सौ साल पूरा कर लेना मामूली बात नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मोहन राव भागवत के इस शताब्दी व्याख्यान के लिए गंभीर तैयारियां की हैं। संघ ने आगंतुकों के लिए 17 श्रेणियां और 138 उप-श्रेणियां बनाई हैं।

संघ सर्वदा यह जताने की कोशिश करता रहा है कि उसकी

सोच, उसका विचार अन्य लोगों से अलग नहीं है। संघ को उसके विरोधियों ने भले ही कभी अछूत तो कभी सांप्रदायिक कहने की कोशिश की हो, लेकिन संघ ने उनके प्रति भी कभी वैमनस्यबोध नहीं रखा और ना ही उनके साथ कोई छुआछूत की भावना रखी। संघ के कई वरिष्ठ कार्यकताओं के अनुभवों से गुजरते हुए पता चला है कि उन्हें विरोधी राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं और बड़ी हस्तियों तक से मिलने, साथ चाय-पानी करने, भोजन करने, सहयोग करने-कराने तक का अवसर मिला है। संघ जरूर एक बात पर जोर देता है कि उसकी सोच भारत की स्थापित और मूल्यवान परंपराओं से प्रभावित है। संघ भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में गहराई से विश्वास करता है, इसीलिए वह हर भारतीय मे हिंदुत्व के मूल को देखने-समझने की कोशिश करता रहा है।

संघ पर गांधी जी को लेकर कई मिथ्या आरोप लगते रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि गांधी जी संघ के वर्ग को देखने गए थे। 27 सितंबर 1947 के हरिजन के अंक में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1936 में वर्धा के पास लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गांधी जी गए थे। उसके अगले दिन गांधी जी के वर्धा स्थित तत्कालीन निवास पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भेंट की थी। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख के कल से होने वाले व्याख्यान में एक बार फिर इसकी चर्चा हो सकती है। चूंकि संघ का दृष्टिकोण राष्ट्र की प्रगति के लिए सभी के साथ मिलकर काम करना है। लिहाजा संघ के इस व्याख्यान का एक उद्देश्य यह भी है कि वह अपनी सौ साल की विकास यात्रा में समूचे देश के साथ जुड़े और समूचा देश एक साथ आगे बढ़ता रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पंच परिवर्तन के सिद्धांत स्वीकार रखा है और इन्हीं बिंदुओं पर समाज के बीच काम कर रहा है। संघ के पंच परिवर्तन का पहला बिंदु है, ससामाजिक समरसता। इसके तहत संघ और उसके असंख्य कार्यकर्ता लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द और प्रेम बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम कर रहे हैं। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है कुटुम्ब प्रबोधन, जिसके तहत संघ की कोशिश राष्ट्र के विकास में परिवार को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इकाई के रूप में संवर्धित करने के प्रयासों में लगातार जुटा है। पंच परिवर्तन के तीसरे बिंदु पर्यावरण संरक्षण के तरह संघ पृथ्वी को माता तो मानता ही, इसी आधार पर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार सक्रिय रहता है और अपने स्वयंसेवकों के साथ ही समाज से ही आशा करता है कि वह भी ऐसा ही करे। पंच परिवर्तन के चौथे बिंदु स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के तहत संघ अपने विभिन्न सहयोगी संगठनों और प्रकल्पों के माध्यम से लगातार देश की स्वदेशी अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहा है। पंच परिवर्तन के पांचवें बिंदु नागरिक कर्तव्य के तहत संघ की कोशिश देश के हर नागरिक की वैचारिकी को इस तरह स्थापित करना है कि वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी कर सके और इस तरह राष्ट्रहित में अपना अप्रतिम योगदान दे सके। ऐसा कहा जा रहा है कि मोहन भागवत के इस व्याख्यान में इस बार इन पंच परिवर्तन के बिंदुओं पर जोर रहेगा और इसके तहत लोगों के बीच संघ अपनी बात, अपनी सोच और अपनी वैचारिकी को ना सिर्फ स्थापित करने की कोशिश करेगा, बल्कि इसके जरिए राष्ट्रहित में अपना अन्यतम योगदान दे सकेगा। संघ को लेकर एक वैचारिकी को स्थापित किया गया है कि वह अल्पसंख्यक विरोधी है। लेकिन यह सोच भी एकांगी है। संघ हर उस विचार और सोच का विरोधी है, जो भारतीयता या राष्ट्र का विरोधी है। संघ ना तो अल्पसंख्यक विरोधी है और ना ही समाज में ऊंचनीच का भाव बढ़ाने की कोशिश करता है। साल 2018 के व्याख्यान में मोहन राव भागवत ने इसे बखूबी रेखांकित करके संघ के दामन पर लगे मिथ्या आरोपों की दाग को साफ करने की कोशिश की थी। माना जा रहा है कि इस बार के व्याख्यान में संघ प्रमुख इस बारे में अपनी राय और गंभीरता से रखते हुए संघ के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे।

साल 2018 में सरसंघचालक भागवत ने 'भविष्य का भारत' विषय पर व्याख्यान दिया था। तब उन्होंने समलैंगिकता, गौरक्षकों को लेकर उठ रही आवाजों, आरक्षण, अंतजार्तीय विवाह और जनसंख्या नीति जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर आरएसएस के रुख को स्पष्ट किया। इन बिंदुओं पर व्याख्यान संघ की स्थिति को स्पष्ट करने, आलोचनाओं का प्रतिकार करने और इस बात पर जोर देने के लिए एक अभियान का हिस्सा थे कि हिंदुत्व के बारे में उनका दृष्टिकोण क्या है। उस व्याख्यान में संघ प्रमुख ने संघ के दूसरे प्रमुख गुरू गोलवलकर की चर्चित पुस्तक ह्यबंच ऑफ थॉटह्ण पर उठने वाले सवालों का जवाब भी दिया था। तब उन्होंने कहा था कि संघ ऐसा संगठन नहीं है, जो एक ही विचार पर ठहरा रहे। दूसरे शब्दों में कहें तो संघ गतिशील संगठन है। हां, उसका मूल भारत, भारतीयता, भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व है। लेकिन इसका मतलब नहीं है कि वह ठस्स विचारों पर अपनी सोच को अटकाए रखे। समय और स्थिति के लिहाज से उसकी वैचारिकी में भी गतिशीलता रहती है। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख इस बार भी ऐसी कोई गतिशील सोच और वैचारिकी को प्रस्तुत कर सकते हैं।

फल ,सब्जी, फूल उत्पादक किसानों की एक गोष्ठी का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के अतरासी रोड निकट आर टीओ ऑफिस स्थित एक निजी बैंकट हॉल में फल ,सब्जी, फूल उत्पादक किसानों की एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें सब्जी उत्पादकों को ओपन एग्रीकल्चर नेटवर्क के माध्यम से अपनी फसल को उचित दामों पर बेचने की सुविधा प्राप्त हो सकेगी एवं कृषि कार्य हेतु इनपुट फर्टिलाइजर्स पेस्टिसाइड्स और उन्नत बीजों की उपलब्धता हो सकेगी इस विषय पर गूगल और वर्ल्ड बैंक की टीम के साथ किसानों की गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जिला उद्यान अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी ,उपनिदेशक कृषि,उप निरीक्षक उद्यान, इत्यादि अधिकारियों ने सहभागिता की किसानों को जहर मुक्त और नेचुरल फार्मिंग और ऑर्गेनिक फार्मिंग के टिप्स दिए गए। इस अवसर पर समाज के संभ्रांत व्यक्ति दिनेश कुमार सैनी अमर सिंह प्रधान ग्राम पपसरा शिव कुमार रफतपुरा, विनोद कुमार कल्याणपुर, संजीव कुमार सैनी कल्याणपुर, सुभाष कुमार कल्याणपुर, प्रेम सिंह सैनी हुसैनपुर अरविंद कुमार सैनी ग्राम सुदनपुर, कोमल सिंह सैनी सुदनपुर नीलांबर सिंह सैनी मझौली, रूपचंद सैनी मालीपुर प्रेम सिंह सैनी अमरोहा आदेश कुमार सैनी किशनगढ़ विनोद कुमार सैनी बधावाला आदि लोग सम्मिलित हुए। किसानों ने बड़े उत्साह और गंभीरता के साथ उनकी सभी बातों को सुना अखिल भारतीय सैनी संगठन सभा के जिला अध्यक्ष गंगासरन सैनी ,निर्देशक हरिनंदन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जोया जिला अमरोहा ने किसानों को जैविक खेती के लाभ और जैविक उत्पादन करके अपनी आय को कैसे बढ़ा सकते हैं पर प्रकाश डाला सैनी ने कहा की आप ही नहीं जितने लोग भी आपके उत्पादन को भोजन के रूप में ग्रहण करते हैं या ग्रहण करेंगे उनको तो स्वास्थ्य लाभ होगा ही किन्तु आप कई गुना पुण्य के भागी होंगे क्योंकि आज अगर आप रासायनिक पेस्टिसाइड्स के द्वारा जोभी सब्जियां उत्पादित करते हैं आप उसको खुद खाकर भी बीमार होते हैं और दूसरों को भी बीमार करते हैं और बीमारी दूर करने के लिए आप किया माणिक 30 से 40% भाग दवाइयों में खर्च हो जाता है कुछ दवाइयां खेत में काम आती हैं कुछ आपके शरीर को आराम देती है इसलिए आपको अब जैविक और प्राकृतिक कृषि पर आना ही होगा उत्पादन लागत को कम करके उत्पादन की मात्रा को बढ़ाना, और उसकी उचित दाम पर बेचकर अधिक लाभ कमाना ही आपका उद्देश्य होना चाहिए। उप कृषि निदेशक डॉक्टर राम प्रवेश वर्मा जी ने उत्पादन को बढ़ाने और लागत कम करने की दिशा में उपाय बताएं इस आयोजन में विदेश से आए हुए वर्ल्ड बैंक की टीम एवं उनके समस्त साथियों साफा बांधकर तथा फुल मालायें पहनाकर स्वागत अभिवादन किया गया।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने अनाधिकृत यात्री वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में चल रहे अनाधिकृत यात्री वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया।इस अभियान में परिवहन विभाग की ओर से महेश शर्मा ए आर टी ओ प्रवर्तन और सुधीर सिंह पी टी ओ ,यातायात पुलिस की ओर से टी आई अनुज मलिक और टी एस आई योगेन्द्र सिंह रोडवेज विभाग की ओर ए आर एम के सी गौड़ और निरादर सिंह ए टी आई संयुक्त रूप से सम्मिलित रहे। यह अभियान जनपद के हाईवे पर ब्रजघाट से गजरौला और गजरौला से जोया टोल प्लाजा तक चलाया गया।इसके अतिरिक्त जोया टोल प्लाजा से मुरादाबाद बोर्डर और गजरौला हसनपुर रोड पर प्रतिदिन चलाया गया। इस विशेष अभियान में कुल 7 बसों को सीज किया गया और सड़क सुरक्षा के अभियोग में अन्य 23 वाहनों के

विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई।जो बसें सीज की गई उनके यात्रियों को दूसरे वाहन से सुरक्षित तरीके से बिठवाकर उनके गन्तवय को रवाना किया गया।इस कार्यवाही से बस मालिकों में हड़कंप मचा हुआ है। बसों के चालक हाईवे के रास्तों से छिपकर चलने का प्रयास करने लगे या अधिक रफ्तार से भागने का प्रयास करने लगे लेकिन चैकिंग टीमों के द्वारा बहुत सावधानी बरतते हुए प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

जनपद के ग्रामों में संचालित लाइब्रेरी में पढ़कर 30 छात्र- छात्राओं का हुआ सरकारी नौकरी में चयन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन की ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने की मंशा और जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के कुशल मार्गदर्शन से जनपद अमरोहा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। जनपद के ग्रामों में संचालित लाइब्रेरियों से पढ़ाई कर 30 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयन प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। इन लाइब्रेरियों ने शासन की नीतियों और जिलाधिकारी के सक्रिय पर्यवेक्षण के तहत ग्रामीण युवाओं को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, आधुनिक सुविधाएं और प्रेरणादायक माहौल प्रदान किया, जिससे उनकी प्रतिभा को निखारने और सपनों को साकार करने का मंच मिला। रजनी चौहान, शुभम कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, गुरवेंद्र सिंह,

काजल, संस्था यादव, कंचन, दीक्षा, मनजीत सिंह, मनोज कुमार, नितिन कुमार, मुकेश कुमार, मनीषा, पारुल, मनोज कुमार, शिखा, चीनू, राजीव कुमार, मोनू कुमार, अमित कुमार, सुमित कुमार और राशिका का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में हुआ है। प्रफुल्ल कुमार का इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्टेनो के पद पर, तरुण कुमार का रेलवे में, कु0 गीता का बिहार बीपीएससी में, अंकुल कुमार का सीआरपीएफ में, रोहित कुमार वर्मा का दिल्ली पुलिस में, ऋतुराज सिंह का शिक्षा विभाग में0विपिन कुमार का पंचायती राज विभाग में और मीनाक्षी का चयन शिक्षक के पद पर हुआ है। चयनित छात्र छात्राओं ने अपने अनुभव भी साझा किए। उत्तर प्रदेश पुलिस में चयनित रजनी चौहान ने कहा कि लाइब्रेरी में पढ़ाई के लिए एकांत मिलता है इंटरनेट की सुविधा मिलती है और तैयारी के लिए आवश्यक किताबें अखबार मिल जाते हैं, जिससे उनको तैयारी के समय बहुत फायदा हुआ। रेलवे में चयनित तरुण कुमार ने कहा कि ग्राम में पढ़ने का भवन मिला। किताबें मिलीं पढ़ने के लिए बैठने की व्यवस्था भी अच्छी रही कम खर्चे में तैयारी करने का अवसर और फ्री में नेटवर्क की सुविधा मिली। शिक्षक के रूप में चयनित मीनाक्षी ने कहा कि हमारे ग्राम पंचायत में बनी लाइब्रेरी में अच्छी पुस्तक हैं, बैठने, बिजली इंटरनेट आदि की उचित व्यवस्था व पढ़ाई के लिए अनुकूल माहौल मिला, जिसने उनके चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

सीडीओ ओर सीवीओ ने नन्दी विहार ग्राम गुरैठा का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र और मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 आभा दत्त द्वारा ने विकास खण्ड गंगेश्वरी के ग्राम गुरैठा में संचालित नन्दी विहार का निरीक्षण किया गया मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नन्दी विहार की संचालन समिति को निर्देशित किया गया कि छप्पर वाले शैडस की समय-समय पर मरम्मत कराई जाय जैसा कि संचालन समिति के साथ किये गये अनुबन्ध में भी उल्लिखित है। मुख्य विकास अधिकारी ने पशुओं की नांद जो कई जगह से टूट गई है, की उचाई बढाने के निर्देश दिये गये ताकि गौवंशों को असुविधा न हो। बताया गया कि नन्दी विहार की वाउन्ड्री वॉल का निर्माण किटिकल गैप से कराया जायेगा जिसका तत्काल कार्य आरम्भ किया जाय। वही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नन्दी विहार में केवल नन्दियों को ही संरक्षित कराया जाए। अपने समक्ष नन्दी विहार में संरक्षित गौवंशों की गिनती कराई गई। इस दौरान मौके पर 1280 गौवंश संरक्षित पाये गये । तत्पश्चात मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा विकास खण्ड गंगेश्वरी के ग्राम तलावडा में निमार्णाधीन अस्थाई गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया गया। सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि गौ आश्रय स्थल पर 02 पंक्तियों में 05-05 शैडस बनाये जायें, ताकि आदमपुर व आस-पास के ग्रामों के गौवंशों का संरक्षण किया जा सके। गौ आश्रय स्थल पर 10 चरही बनाने के भी निर्देश दिये गये। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि ग्राम में निमार्णाधीन टंकी से 01 कनेक्शन गौ आश्रय स्थल पर भी दिया जाय तथा गौ आश्रय स्थल में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय निरीक्षण के समय उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमरोहा, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी हसनपुर, खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी, प्रधान संध अध्यक्ष, पशु चिकित्सा अधिकारी गंगेश्वरी, अवर अभियन्ता निर्माण खण्ड व पशुधन प्रसार अधिकारी आदि उपस्थित रहे ।

यूपी के इस जिले में लोगों में बढ़ रहे कैंसर के लक्षण, स्क्रीनिंग में क्या-क्या पता चल गया?

गजरौला। स्वास्थ्य विभाग द्वारा एनसीडी कार्यक्रम के तहत सी-बैक फार्म का सर्वे किया गया। इस सर्वे में अधिकांश फोकस 30 साल से अधिक उम्र वाले व्यक्तियों पर दिया जा रहा है। उस व्यक्ति का नाम-पता के साथ-साथ बीमारी के लक्षण भी दर्ज किए जा रहे हैं। अभी तक गजरौला में एक हजार से अधिक लोग ऐसे चिन्हित किए गए। जिनमें मुंह व स्तन कैंसर, शुगर और बीपी के लक्षण होने का संदेह है। इसलिए उनकी स्क्रीनिंग की जा रही है। उन्हें रेफर भी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक एनसीडी जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की स्क्रीनिंग करना है। प्रशिक्षित आशा, एएनएम और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता घरों तक पहुंचकर बीपी मॉनिटर और ग्लूकोमीटर का उपयोग करके व्यक्तियों की स्क्रीनिंग करते

हैं। स्क्रीनिंग, उपचार और अनुवर्ती कार्रवाई से संबंधित डेटा को (एनपी-एनसीडी) पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है। चिकित्सा अधीक्षक डा. योगेंद्र सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में 30 उम्र से अधिक वाले लोगों पर फोकस रखने के निर्देश हैं। उन्होंने बताया कि एनसीडी (गैर-संचारी रोग) कार्यक्रम है। जिसे अब राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के नाम से जाना जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर की रोकथाम और नियंत्रण करना है। यह कार्यक्रम स्क्रीनिंग, परामर्श, मुफ्त दवाओं और स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित है। जिसमें आशा, एएनएम और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करते हैं और उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। टीबी के रोग को घातक बनी रही शुगर, बेदम हो रहा शरीर जासं, गजरौला : टीबी का रोग तेजी के साथ बढ़ रहा है। लेकिन, इस रोग को शुगर की बीमारी और घातक बना रही है। चिकित्सकों के मुताबिक जिस व्यक्ति को टीबी के साथ-साथ शुगर की बीमारी है। उसकी पीड़ा दोगुणा हो रही है। क्योंकि शुगर शरीर की इम्युनिटी को गिराती है। इसलिए टीबी का मर्ज मनुष्य को और जकड़ लेता है। यही वजह है कि टीबी का रोग कटने में भी समय लग रहा है। गजरौला ब्लाक की बात करें तो यहां पर सक्रिय साढ़े चार सौ में से दो सौ से अधिक टीबी के रोग ऐसे हैं। जिन्हें टीबी के साथ-साथ शुगर का भी रोग है। इसलिए उन्हें कई एहतियात बताते हुए दवा चलाई जा रही है। टीबी कोर्डिनेटर नवनीत कुमार ने बताया कि टीबी वाले मरीजों को शुगर नुकसान पहुंचा रही है।

दहेज के लिए पत्नी को जलाने वाला आरोपी सिपाही पति गिरफ्तार, दिल्ली में पीड़िता के बयान किए गए दर्ज

डिडौली। दहेज की मांग पूरी न होने पर जीएनएम पत्नी को जलाने के आरोपित सिपाही पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अमरोहा पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर आरोपित सिपाही को निलंबित भी कर दिया गया है। वहीं बुधवार को एसएसआइ व एक न्यायिक अधिकारी ने दिल्ली जाकर पीड़िता के बयान दर्ज किए हैं। पारूल की हालत नाजुक बनी हुई है। मंगलवार सुबह डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव नारंगपुर निवासी सिपाही देवेंद्र सिंह की पत्नी पारूल संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर रूप से झुलस गई थी। पारूल जीएएनएम है तथा इकौंदा में तैनात है। जबकि देवेंद्र की

तैनाती रामपुर पुलिस लाइंस में है। हालांकि इस घटना के दौरान देवेंद्र का हाथ भी झुलस गया है। देवेंद्र का कहना है कि मंगलवार सुबह वह बच्चों को स्कूल बस में बैठाने गया था, उस समय पारूल आग लगने से झुलसी है। घर पहुंचने पर आग बुझाते समय वह झुलसा है। वहीं पारूल के भाई कपिल कुमार ने आरोप लगाया है कि ससुराल में पारूल को प्लाट के लिए परेशान करते थे। दहेज की मांग भी जाती थी। इस मामले में पुलिस ने कपिल की तहरीर पर देवेंद्र समेत सोनू, गजेंद्र, अनीता, जितेंद्र और संतोष के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली थी। पारूल को बेहतर उपचार के लिए दिल्ली रेफर किया गया था। प्रभारी निरीक्षक हरीशवर्धन सिंह ने बताया कि आरोपित देवेंद्र को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है।अमरोहा पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर उसे निलंबित भी किया गया है। बताया कि बुधवार को पीड़िता के बयान दर्ज कराए हैं। फरार आरोपितों को भी जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जिलाधिकारी ने की आगामी तिगरी मेला के आयोजन के संबंध में बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी तिगरी मेला के आयोजन के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि पिछले वर्ष तिगरी मेला सभी के सहयोग से भव्यता के साथ कराया गया है इस बार और भी भव्यता से मेले का आयोजन कराया जाएगा। बैठक में मेला के लिए विभिन्न विभागों द्वारा मेला का विस्तृत मेला/प्लान / योजना मदवार धनराशि की औचित्यपूर्ण मांग / प्रस्ताव प्रस्तुत किए गये। जिन विभागों ने अपना मांग पत्र बैठक में नहीं उपलब्ध कराया जिलाधिकारी

ने उनको कल तक मांग पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ बैठक में गत वर्ष हुए व्यय पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि इस बार समस्त व्यवस्थाएं पिछले वर्ष से भी उत्तम की जाए। सभी संबंधित अधिकारों को निर्देशित किया कि कहा कि सभी अधिकारी अभी से ही आवश्यक तैयारी में लग जाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर ,बृजपाल सिंह सहित अन्य मेले से संबंधित समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जी ने चयनित 2425 मुख्य सेविकाओं को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन लखनऊ में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत 2425 चयनित मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में देखा गया। इसी कम में जनपद अमरोहा की विभिन्न विधान सभाओं से चयनित कुल 34 मुख्य सेविकाओं को मुख्य अतिथि मा० विधायक हसनपुर महेन्द्र सिंह खड्गवंशी जी एवं जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। मुख्य अतिथि महेंद्र सिंह खड्गवंशी द्वारा नव चयनित समस्त मुख्य सेविकाओं को शुभ कामनाओं के साथ उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उन्होंने कहा कि

वर्तमान सरकार में बिना किसी भेदभाव के सीधे पात्रों एवं योग्य व्यक्तियों को ही लाभ मिल रहा है। सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से योग्य अभ्यार्थियों का ही चयन किया गया है इसलिए अपनी योग्यता को बनाएं रखें एवं शासन की मंशा के अनुरूप जन सेवा करें। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी नव चयनित मुख्य सेविकाओं को विभाग में पंजीकृत गर्भवती, धात्री एवं 6 वर्ष के बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा को समुन्नत करने के लिए नव चयनित मुख्य सेविकाओं को प्रोत्साहन करने के साथ ही भविष्य की शुभ कामनायें दी। उन्होंने कहा सेवा भाव के साथ शासकीय दायित्वों को निभाएं तथा जिस उद्देश्य से आपको दायित्व मिला है उसे पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी से करें। कार्यक्रम में रेनू सैनी, फराह खान, आकांक्षा, अदिति गिल, संध्या रानी, काजल, रानी और शिवानी सहित 34 मुख्य सेविकाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। नव नियुक्त अभ्यर्थियों से संवाद के दौरान सभी अभ्यर्थियों ने चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सम्पन्न कराने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद प्रकट किया। उन्होने कहा कि आज हमारे लिए खुशी का दिन है कि हमें विधायक एवं जिलाधिकारी के हाथों नियुक्ति पत्र मिल रहे है। इस नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञान प्रकाश तिवारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं चयनित मुख्य सेविकाओं एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत किये गये नियुक्ति पत्र वितरित

मुख्य सेविकाओं की जिम्मेदारी होती है बहुत ही महत्वपूर्ण:- माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री

बहजोई/संभल (सब का सपना):- रोजगार की लहर हर गाँव, हर शहर के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत 2425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्टों को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी मंत्री राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश धर्मवीर प्रजापति एवं मुख्य अतिथि माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव एवं जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां तथा नव चयनित मुख्य सेविकाओं द्वारा देखा गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति एवं मुख्य अतिथि गुलाब देवी को मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर स्वागत किया तथा डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार द्वारा विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव का एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर स्वागत किया तथा।

बेटियां त्याग की सबसे बड़ी मूर्ति होती है:- प्रभारी मंत्री

कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अंतर्गत शासन की निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत प्रदेश में 2425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्टों के नियुक्ति पत्र वितरण के अन्तर्गत आज जनपद में भी 16 मुख्य सेविकाओं को भी प्रभारी मंत्री एवं माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री एवं पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर के कर कमलों द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण किया जा रहा

है। यह सुशासन का ही परिणाम है कि हम धीरे धीरे सुदृढ़ प्रदेश की ओर बढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य सेविकाओं के चयन से आईसीडीएस के अन्तर्गत जो गैप था उसको भरने का कार्य मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है इसलिए उनको हम धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि कर्त्तव्य निर्वाहन करने का जो अवसर आपको प्राप्त हुआ है उसके अंतर्गत किसी के प्रति भेदभाव न हो यह देखना है। उन्होंने बताया कि 0 से 06 वर्ष की आयु में बच्चे का 85 प्रतिशत मस्तिष्क विकसित हो जाता है। उन्होंने कहा कि नव चयनित मुख्य सेविकाओं को 0 से 06 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए कार्य करना है। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर ने अपने संबोधन में कहा कि ईमानदारी के साथ कार्य करें तो हमारे देश एवं समाज को आगे बढने से कोई नहीं रोक सकता। बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं अगर वह स्वास्थ्य तथा निरोगी रहेंगे तब ही हमारा देश आगे बढ सकेगा यह जिम्मेदारी आपको मिली है इसको बड़ी लगन के साथ निभाएं। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी परिवार में तीन बार प्रसन्नता विशेष रूप से आती है प्रथम बच्चे के जन्म के समय तथा द्वितीय विवाह के समय तथा तृतीय जब व्यक्ति आत्मनिर्भर होता है अर्थात अपने पैरों पर खड़ा होता है, जब उसे स्वतंत्र रूप से आजीविका प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि जब महिला सक्षम गर्भवती होती है तो सक्षम बचपन होता है और सक्षम बचपन होता है तो युवा सक्षम होता है और जब युवा सक्षम होता है तो सक्षम भारत का निर्माण होता है। मुख्य अतिथि मंत्री गुलाब देवी ने अपने संबोधन में कहा कि जो नियुक्ति पत्र आपको मिला है उसकी गरिमा तब तक है जब तक आप ईमानदारी के साथ में बिना किसी भेदभाव के एवं इंसानियत के साथ अपने दायित्वों को निभाएंगी। जो व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों को नहीं निभाता है उसको हटना भी पड़ता है मुख्य सेविका की जिम्मेदारी बहुत महत्वपूर्ण है ईश्वर ने आपको अवसर दिया है और उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी आज आत्मनिर्भर बन रही हैं। आप मुख्य सेविका के रूप में सेवक बनाकर अपना दायित्व निभाएं।

16 मुख्य सेविकाओं को किए गए नियुक्ति पत्र वितरित

प्रभारी मंत्री ने सर्वप्रथम नव चयनित मुख्य सेविकाओं को बधाई दी उन्होंने कहा कि आज आप आत्मनिर्भर बने हैं आपको ड्यूटी के साथ-साथ समाज सेवा का अवसर भी प्राप्त हुआ है। उन्होंने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि नव चयनित मुख्य सेविकाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को कोई ऐसी पुस्तक दी जाए जिसके माध्यम से गर्भस्थ शिशु कुपोषित ना हो इस प्रकार की जानकारी उस पुस्तक में हो ताकि उस जानकारी के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि बेटियां हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण है बेटियां त्याग की सबसे बड़ी मूर्ति होती हैं। समाज की विकृति को कैसे दूर किया जाए इसमें मुख्य सेविकाओं की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है उन्होंने कहा की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बाद बहुत बड़ा बदलाव आया है शासन बेटियों के लिए बहुत सी योजनाएं चला रहा है और उन्होंने कहा कि सभी में सेवा का भाव होना चाहिए और उन्होंने कहा कि अपने विभाग में नया कार्य क्या कर सकते हैं इस पर भी कार्य करना चाहिए। इसके बाद जनपद कि नव चयनित 16 मुख्य सेविकाओं को प्रभारी मंत्री एवं माध्यमिक शिक्षा मंत्री तथा पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर अजीत कुमार राजू यादव द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, डिप्टी कलक्टर रामानुज, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी तथा नव चयनित मुख्य सेविकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां आदि उपस्थित रहे।

यूरिया की कालाबाजारी के विरोध में बेमियादी धरना आश्वासन पर खत्म

(संभल)। जिले में यूरिया की कालाबाजारी और भ्रष्टाचार समेत कई मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने पवांसा ब्लॉक परिसर में स्थित सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक के कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना दिया। बाद में एआर कोऑपरेटिव वीरेंद्र प्रकाश उपाध्याय ने किसानों से वार्ता करके जल्दी ही समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस पर धरना खत्म कर दिया गया। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष कुलदीप चौधरी ने बताया कि तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया है। इसमें बताया कि ब्लॉक क्षेत्र की सहकारी समिति कासमपुर में किसानों के क्रेडिट कार्ड बिना सुविधा शुल्क के नहीं बन रहे। जिले में यूरिया की कालाबाजारी हो रही है, इस पर रोक लगाई जाए और नियमित रूप से यूरिया खाद का वितरण किया जाए। धरनास्थल पर एआर कोऑपरेटिव वीरेंद्र प्रकाश उपाध्याय से करीब डेढ़ घंटा की वार्ता हुई। इस दौरान सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया गया। जिसके धरना खत्म कर दिया गया। हालांकि, समाधान न होने पर एक सितंबर से कार्यालय के परिसर में ही अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने का अल्टीमेटम दिया गया है। इस दौरान भूराज सिंह, रविंद्र सिंह, नेम सिंह, राजेंद्र सिंह, प्रेम सिंह, गिरिराज, चरन सिंह, नूर हसन, मोहम्मद रूम खान, अतर सिंह, अजब सिंह आदि रहे। समस्याओं का समाधान जल्दी ही कराया जाएगा। जिले में यूरिया खाद का वितरण किया जा रहा है। कहीं यदि कोई शिकायत है, तो तत्काल कार्यालय पर लिखित में दें, जिससे मामले की जांच पड़ताल कराकर कार्रवाई की जा सके।

पानी मयस्सर नहीं, सड़कें खोदकर चलना भी किया दुश्वार अभियान

संभल। पवांसा ब्लॉक क्षेत्र के करीब 70 गांवों में जल निगम द्वारा जल जीवन मिशन योजना के लिए पाइप लाइन बिछाने को सड़क खोदी गईं मगर तीन वर्ष बीतने के बाद भी मरम्मत नहीं कराई गई। उखड़ी सड़क पर वाहन सवार हादसों के शिकार हो रहे हैं। कीचड़, गंदगी और जलभराव की समस्या भी बनी है। मच्छरों के पनपने से संक्रामक बीमारी फैल रही हैं। ग्रामीण और प्रधान शिकायत कर चुके हैं लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ है। वहीं टंकी निर्माण और बोरिंग के बाद भी ग्रामीणों को पेयजल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। गांव पवांसा में पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है। ग्रामीणों ने कनेक्शन भी लिए हैं। टूटी सड़कों की मरम्मत नहीं हुई है। टंकी बनाने के साथ बोरिंग कराया गया है लेकिन यह फेल हो गया है। यहां पेयजल योजना सिर्फ कागजों में भी चल रही है। गांव धुरैटा में टंकी निर्माण कार्य अधूरा है। न तो कनेक्शन किए गए हैं और न ही पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत हुई है। गंदगी, कीचड़ और जलभराव की स्थिति बनी है। गांव सैंजना में आधे हिस्से में पाइप लाइन बिछ गई है लेकिन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई है। कनेक्शन के बावजूद पेयजल योजना का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। तमाम शिकायतों के बाद भी जल निगम ने समस्या का समाधान नहीं किया है। गांव गंगनेटा में टंकी निर्माण, बोरिंग, पाइपलाइन बिछाने और कनेक्शन का कार्य हो चुका हैं मगर ग्रामीण पेयजल का इंतजार कर रहे हैं। गांव गौंहत में शुद्ध पेयजल योजना का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है लेकिन पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई। ऐसे में राहगीरों और ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। गांव बंजरपुरी में पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत नहीं होने के कारण मुख्य मार्ग की हालत खस्ता है। स्कूली बच्चों को भी निकालने में दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है।

विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गणेश प्रतिमा को किया गया स्थापित

बिजनौर (सब का सपना):- गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में नजीबाबाद के चौक बाजार में श्री गणेश प्रतिमा की स्थापना बड़े हर्षोल्लास के साथ की गई। पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गणेश प्रतिमा को स्थापित किया गया। प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधायक ओम कुमार मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में प्रदेशभर में सभी हिंदू त्योहार बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। इस अवसर पर एसडीएम नजीबाबाद शैलेंद्र सिंह और सीओ नितेश सिंह भी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य सेविकाओं को मिला नियुक्ति पत्र

हापुड़ (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में एक गरिमामयी समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद की 13 नवचयनित मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। यह भर्ती प्रक्रिया उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा पारदर्शी तरीके से सम्पन्न की गई। कार्यक्रम का संचालन उपजिलाधिकारी रमेश चंद्र पांडेय ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया (गढ़मुक्तेश्वर) एवं विधायक धर्मेश सिंह तोमर (धौलाना) उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने चयनित मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर

उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह के प्रारंभ में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मुख्य सेविकाओं की नियुक्ति से आंगनबाड़ी सेवाओं को नई गति और मजबूती मिलेगी। मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण सुधार तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी दिन लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कुल 2425 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उसी क्रम में जनपद हापुड़ में चयनित 13 मुख्य सेविकाओं को स्थानीय स्तर पर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी। नई मुख्य सेविकाओं ने भी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह में विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं नव नियुक्त मुख्य सेविकाओं के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अमरोहा 1 लाख की रिश्वत मामले में सीबीआई की चार्जशीट, सीजीएसटी निरीक्षक और अधिवक्ता को नहीं मिली जमानत

अमरोहा। कारोबारी का पेनॉल्टी नोटिस खत्म कराने के नाम पर एक लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किए गए केंद्रीय कर विभाग के अधीक्षक व जीएसटी के अधिवक्ता के मुकदमे में सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। आरोप है कि इसी दौरान नोटिस को खत्म करने के लिए कर अधीक्षक निशान सिंह माली ने चार लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। अधिवक्ता अमित खंडेलवाल भी कर अधीक्षक से हमसाज हो गए थे। चार लाख के एवज में दोनों को व्यापारी से एक लाख रुपए लेते गिरफ्तार किया था। अमरोहा के केंद्रीय कर कार्यालय की ओर से कारोबारी को चार लाख रुपए के कर का नोटिस जारी किया गया था। इसे निपटाने के लिए कारोबारी पर दबाव बनाया जा रहा था। आरोप है कि कर अधीक्षक निशान सिंह माली के साथ जीएसटी के अधिवक्ता अमित खंडेलवाल ने कारोबारी से सौदेबाजी कर ली। परेशान होकर कारोबारी ने सीबीआइ अधिकारियों से संपर्क किया। उन्होंने रिश्वत मांगने वालों की गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया। तयशुदा योजना के मुताबिक सोमवार को कारोबारी पैसे लेकर केंद्रीय कर कार्यालय आए।

थाना ऐंचौड़ा कम्बोह की नवनिर्मित पुलिस चौकी दरियापुर मोड़ ग्राम बाबूखेड़ा का उद्घाटन

सम्भल(सब का सपना):- अपराध पर अंकुश और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने एवं जनता की सुरक्षा हेतु थाना ऐंचौड़ा कम्बोह की नवीन पुलिस चौकी दरियापुर मोड़ ग्राम बाबूखेड़ा का लोकार्पण/उद्घाटन जिलाधिकारी संभल राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार व असमोली ब्लाक प्रमुख संतोष देवी आदि अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

बहजोई में धूमधाम से हुआ गणेश जी का आगमन, निकली भव्य शोभायात्रा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- नगर में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर भगवान गणेश का आगमन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ हुआ। गली-गली और मोहल्ले-मोहल्ले में स्वागत के लिए भव्य पंडाल सजाए गए। गणेश जी की मूर्ति स्थापना से पूर्व पूजन-अर्चन के बाद ढोल-नगाड़ों और फूलों की वर्षा के साथ नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा में महिलाएं और पुरुष भक्ति भाव से गणेश जी पर पुष्प वर्षा करते हुए उनके स्वागत में शामिल हुए। जगह-जगह प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया। नारायण टोला, मां मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, गोलागंज, चामुंडा मंदिर, और शीतला माता मंदिर जैसे प्रमुख स्थानों पर गणेश जी की मूर्तियां स्थापित की गईं। शोभायात्रा में लक्ष्य कठेरिया, अनुज भगत, मधुर, अतुल भोला, गुड्डू, कुलदीप, शिखर, संजय नाती, मुकेश डेनी, सुलेखा, कमला, गुंजन, शीतल, राखी, गीता सहित अनेक भक्तों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में खिलाड़ियों का सम्मान समारोह बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही नेशनल स्तर की कुश्ती खिलाड़ी भूमि चौधरी, जिन्हें भाजपा नेता एवं सदर विधायक के पति मौसम चौधरी ने 51 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही कई अन्य खिलाड़ियों को भी मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम बिजनौर के चंदक स्थित एक निजी बैंक्वेट हाल में आयोजित किया गया, जहां खिलाड़ियों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

बीती रात्रि बाइक और टैंकर की आमने-सामने टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर में बीती रात्रि बाइक और टेंकर की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो युवक घायल हो गए। पुलिस तीनों को उठाकर सीएचसी स्याऊ ले गई। सीएचसी में डाक्टर ने एक युवक 32 वर्ष काशिफ उर्फ शानू पुत्र युनुस को मृत घोषित कर दिया।एक गंभीर घायल मौ० कैफ पुत्र अय्यूब निवासी ग्राम मिजार्पुर बैला को तत्काल हायर सेंटर किया जबकि तीसरे युवक को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया। अस्पताल पहुंचे परिजनों में युवक की मौत की खबर सुनकर कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

का है। बाइक सवार युवक गांव मिजार्पुर बैला निवासी थे। बाइक सवार युवक नूरपुर इलाके में किसी जैकेट के कारखाने में काम करते थे और बाइक द्वारा नूरपुर से लौट रहे इस्माइल निवासी पूर्वी मुस्तफाबाद गाजियाबाद देहात ने चांदपुर थाने पहुंचकर टेंकर के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की।पिता ने तहरीर में बताया कि उनका पुत्र मौ०काशिफ अपने साथी मौ०कैफ पुत्र अय्यूब निवासी ग्राम मिजार्पुर बेला के साथ अपनी बाइक से नूरपुर से चांदपुर आ रहे थे। जब उनकी बाइक ग्राम पीपलसाना चूना फैक्ट्री के पास पहुंची तो सामने से आ रहे ट्रक चालक ने तेजी व लापरवाही से ट्रक चलाते हुए उनके पुत्र काशिफ की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे उसके पुत्र काशिफ की मौके पर ही मौत हो गई और मौ०कैफ गंभीर रूप से घायल हो गया। पिता ने पुलिस से कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई है। मामले सीएचसी स्याऊ में तैनात डाक्टर मौ०जावेद ने बताया कि ऐक्सिडेंट के तीन युवकों को लाया गया था।एक युवक ब्रॉड डेड था दूसरे के सर में गंभीर चोट थी उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया वही तीसरा युवक 14/15 साल का था उसे प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया था। मामले में सीओ चांदपुर देश दीपक सिंह ने बताया कि चांदपुर थाना क्षेत्र में नूरपुर रोड पर टेंकर व मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि दो को सीएचसी स्याऊ में भर्ती कराया गया था।एक को हायर सेंटर रेफर किया गया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अमरोहा में फाउंडेशन लर्निंग प्रोग्राम के तहत पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- ब्लॉक संसाधन केंद्र पर याहिया में फाउंडेशन लर्निंग प्रोग्राम (एफ.एल.एन.) के अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाने और प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसका मुख्य लक्ष्य बच्चों में बुनियादी साक्षरता और गणितीय कौशल को बढ़ावा देना है, ताकि वे अपनी शैक्षिक यात्रा में मजबूत आधार बना सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा विभाग और ब्लॉक संसाधन केंद्र के सहयोग से किया जा रहा है। इसमें जिले के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों, ब्लॉक संसाधन व्यक्तियों (बी.आर.पी.), और अन्य शैक्षिक कर्मियों को शामिल किया गया है। प्रशिक्षण का

उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों, गतिविधि-आधारित शिक्षण, और बच्चों के सीखने के स्तर को बढ़ाने वाली तकनीकों से परिचित कराना है। पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जा रही है, जैसे कि बच्चों में पढ़ने-लिखने की क्षमता को विकसित करना, गणितीय अवधारणाओं को सरल और रुचिकर तरीके से समझाना, और कक्षा में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना। प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक सत्र, समूह चर्चा, और शिक्षण सामग्री के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों और तकनीकों के उपयोग के बारे में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो आधुनिक शिक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के तहत प्रारंभिक शिक्षा में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, "फाउंडेशन लर्निंग प्रोग्राम का उद्देश्य बच्चों को शुरूआती स्तर पर मजबूत आधार प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में उच्च शिक्षा और जीवन कौशलों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें।" प्रशिक्षण में भाग लेने वाले शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की है। एक शिक्षक ने कहा, "यह प्रशिक्षण हमें बच्चों को रुचिकर और प्रभावी ढंग से पढ़ाने के नए तरीके सिखा रहा है। इससे न केवल हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि बच्चों का सीखने का अनुभव भी बेहतर होगा।"

चमन प्रधान को सोंपी गई जिला अध्यक्ष की कमान, सभी ने गले मिलकर किया एक दूसरे का सम्मान

रजोहा/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरीः- भारतीय किसान यूनियन (भानू) के नए जिला अध्यक्ष बनने पर चमन प्रधान को बधाई देने लाखों कार्येकर्ताओ व पदाधिकारीयों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बता दें कि यह बैठक चमन प्रधान के आवास रजोहा जिला अमरोहा पर आयोजित की गई। जिसमें आज चमन प्रधान को नये जिला अध्यक्ष की पार्टी द्वारा कमान सोंपी गई, जिसमें उपस्थित डॉ हाशिम चौधरी जिला उपाध्यक्ष, लोकेश चौहान तहसील अध्यक्ष, जमशेद चौधरी जिला मंत्री, बिलाल ग्राम अध्यक्ष, जीशान चौधरी ब्लॉक प्रचार मंत्री, अमरपाल चौहान युवा तहसील अध्यक्ष, राजीव चौहान ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर, राहुल कुमार चौहान जिला उपाध्यक्ष, हसीन चौधरी उत्तर प्रदेश महासचिव, बक्के सिंह लाखों की तादाद में लोग शामिल रहे।

डीएम ने खेलों इंडिया के एथलेटिक्स खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट की वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ,पुलिस अधीक्षक अमित आनंद ने खेलों इंडिया के एथलेटिक्स खिलाड़ियों को मालीखेड़ा स्टेडियम में बच्चों को स्पोर्ट्स किट का वितरण किया गया। सर्वप्रथम जिला क्रीड़ा अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक को बुके देखकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा बच्चों को किस खेल में ज्यादा रुचि है। जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक एवं कोच द्वारा वेट लिफ्टिंग इक्विपमेंट का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप देश के भविष्य हो इसलिए आप भारत के लिए खेलना चाहते हो उसके लिए आपको मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ना होगा उन्होंने कहा बिना मेहनत किए कुछ प्राप्त नहीं होगा इसलिए जिस खेल में जिस बच्चे की रुचि है वह उसे पर केंद्रित होकर आगे बढ़े उन्होंने कहा यदि आप लगन से खेलोगे तब सफलता अवश्य प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि कोच खिलाड़ी और खेल को निखारता है इसलिए कोच भी बच्चों पर अधिक ध्यान दें उन्होंने कहा मेहनत और लगन से आगे बढ़ो और जनपद प्रदेश और देश का नाम रोशन करना है उन्होंने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना कर आशीर्वाद दिया। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि उक्त स्टेडियम में अनेक सुविधाओं का क्रियांवा होगा यह हर्ष का विषय है उन्होंने कहा बच्चों गयी आप मेहनत करते हो तो एक दिन आप ओलंपिक में मेडल अवश्य लेकर आओगे उन्होंने कहा खेल के साथ-साथ पढ़ाई पर भी मन लगाकर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी हानिकारक पदार्थों का सेवन नहीं करोगे जिससे बॉडी को नुकसान हो। तदोपरांत जिलाधिकारी द्वारा माली खेड़ा स्टेडियम परिसर में बना रहे विभिन्न खेलों के भवनों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी, जिला ओलंपिक संघ के सचिव डॉ एमपी शर्मा, कोच चंद्रमणि जी सहित संबंधित अधिकारी एवं बच्चे उपस्थित रहे।

ऑपरेशन क्लीन 2 के अन्तर्गत थाना बछरायूँ में कुल 10 लावारिस वाहनों की गई नीलामी कराकर

अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 118 वाहनों की नीलामी कर 10,31,360/- राजस्व प्राप्त किया गया

अमरोहा (सब का सपना):- थाना परिसर व परिसर के बाहर बेतरतीब तथा बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं ।इन वाहनों से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं ।जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद अमरोहा में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत कार्यवाही प्रचलित है। क्षेत्राधिकारी धनौरा जनपद अमरोहा, थानाध्यक्ष अमित सिंह तोमर जनपद अमरोहा, मजिस्ट्रेट योगेश कुमार नायब तहसीलदार तहसील धनौरा अमरोहा एचएम 468 सुनील यादव थाना मण्डी बछरायूँ जनपद अमरोहा की गठित कमेटी द्वारा थाना बछरायूँ में कुल 10 लावारिस वाहनों (दोपहिया वाहन) की नीलामी थाना बछरायूँ परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी । जिससे कुल नीलामी की धनराशि कुल 42,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्वच्छता समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को और अधिक प्रभावशाली, पारदर्शी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के लिए बहुपक्षीय बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ आर०आर०सी० क्रियाशीलता की समीक्षा, व्यक्तिगत शौचालय रेट्रोफिटिंग कार्य की समीक्षा, सिंगल यूज प्लास्टिक का उचित निस्तारण, चिन्हित ओ०डी०एफ० प्लस मॉडल ग्रामों की समीक्षा, सामुदायिक शौचालय प्रयोग किये जाने की स्थिति की समीक्षा और यूनिसेफ द्वारा जनपद में किये जाने वाले कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। जिलाधिकारी ने यूनिसेफ द्वारा जनपद के ग्रामों में किए जाने वाले कार्यों में ब्लॉक और ग्राम स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों को पूर्ण सहयोग देने के निर्देश दिए ताकि इन ग्रामों में होने वाले कार्य अन्य ग्रामों के लिए मॉडल बने। जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी अभियान बिना जनसहयोग के सफल नहीं हो सकता, इसलिए स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कराते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण देने के लिए स्वच्छता अभियान में ग्राम प्रधानों से पूर्ण सहयोग देने की बात कही। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, यूनिसेफ से अमित महरोत्रा, नागेंद्र प्रसाद, दयाशंकर, उड़ान संस्था से ज्ञानेंद्र मिश्रा, राकेश कुमार, पीडीडीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया, समस्त खंड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत, संबंधित ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव एवं सहायक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अधीनस्थ कृषि सेवा संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, प्राविधिक सहायकों को अनावश्यक ड्यूटी से मुक्त करने की मांग

सम्भल/बहजोई (सब का सपना):- जिला कलेक्ट्रेट पर अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी संभल को एक ज्ञापन सौंपा। संघ ने अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया। ज्ञापन में मुख्य रूप से कृषि विभाग के प्राविधिक सहायकों को राजस्व विभाग के कार्यों, विशेष रूप से डिजिटल क्रॉफ्ट सर्वे जैसे अनावश्यक दायित्वों से मुक्त रखने की मांग की गई। संघ का कहना है कि खसरा पड़ताल और भूलेख से संबंधित कार्य राजस्व विभाग का मूल दायित्व है, जिसे परंपरागत रूप से लेखपाल द्वारा किया जाता रहा है। वर्तमान में डिजिटल क्रॉफ्ट सर्वे के माध्यम से यह कार्य लेखपालों द्वारा ही किया जाना चाहिए। शासन के निदेशों के बावजूद, लेखपालों को इस कार्य से

मुक्त रखकर प्राइवेट सर्वेयर या संविदा कर्मियों से काम कराने की मांग की गई ताकि कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक किसानों के हित में चल रही योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें। ज्ञापन में बताया गया कि कृषि विभाग विभिन्न योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल अवशेष प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रम, और मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इन योजनाओं के तहत लाभार्थी किसानों का पंजीकरण, डीबीटी के माध्यम से अनुदान वितरण, किसान पाठशाला, कृषक गोष्ठी, प्रदर्शन, और कृषि मेलों का आयोजन जैसे कार्य प्राविधिक सहायकों के लिए महत्वपूर्ण हैं। संघ ने मांग की है कि प्राविधिक सहायकों को राजस्व विभाग के कार्यों से मुक्त रखकर उनके मूल कर्तव्यों पर ध्यान देने की अनुमति दी जाए, ताकि किसानों के हित में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में संघ के संरक्षक भूपेंद्र कुमार शर्मा, अध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, मंत्री मुकेश कुमार, पवन कुमार, दीपक कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कृषक इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में कृषक इंटर कॉलेज कोठी खिदमतपुर में खेलकूद जिला स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के विभिन्न संकुलों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक एवं प्रबंध संचालक कृषक इंटर कॉलेज कोठी खिदमतपुर ललित कुमार ने बच्चों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का आरंभ किया। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य रणजीत सिंह ने ललित कुमार को शाल उड़ाकर और बेज लगाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बालक वर्ग में अंडर-17 में प्रथम स्थान कोठी खिदमतपुर संकुल द्वितीय स्थान नारंगपुर संकुल का रहा साथ ही 19 वर्षीय बालक वर्ग में प्रथम स्थान

धनौरा संकुल का प्रथम स्थान रहा नारंगपुर संकुल का द्वितीय स्थान रहा अंडर 14 बालिका वर्ग बेसिक शिक्षा धनोरा संकुल ने प्राप्त किया। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक मुनेन्द्र सिंह ने बताया चयनित खिलाड़ी 8 सितंबर को जिला बिजनौर में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा सचिव विजय सिंह, सुरेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, बक्शिंदर सिंह, मंजीत सिंह, ओवेस जहीर, राजदीप सिंह ,मीनाक्षी चौधरी का सहयोग रहा इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

जिलाधिकारी ने आंगनवाड़ी केंद्र पुरनपुर का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने आंगनबाड़ी केंद्र पुरनपुर विकासखंड जोया पहुंचकर कुपोषण से मुक्ति के लिए संचालित अभियान मिशन 100 का निरीक्षण कर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने सामने बच्चों का वजन कराने के साथ हाइट का मापन कराया। उन्होंने छोटे बच्चों प्रीत और भूमि का अन्नप्राशन किया। उपस्थित अन्य बच्चों को फल भी वितरित किए। माताओं से अपने स्वास्थ्य के साथ बच्चों की डाइट का भी विशेष ध्यान रखना को कहा। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र पर हर महीने मिलने वाले राशन वितरण की भी जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कमजोर और नाटे बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें उपयुक्त पोषण उपलब्ध कराना है। इस दौरान डीएम

निधि गुप्ता वत्स का मातृत्व भरा व्यवहार देखने को मिला। बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलारते हुए उन्होंने उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उपस्थित माताओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं से अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों को जन्म से पहले और बाद में समान देखभाल की जरूरत है। केन्द्र पर उपस्थित गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा ग्राम के अन्य बच्चों के अभिभावको को पोषण से सम्बन्धित जानकारी दी गयी। गर्भवती महिलाओं को नियमित वी०एच०एन०डी० सत्र पर नियमित जांच कराने एवं पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी गई। आयरन, कैल्सियम की टेबलेट लेने व उनसे होने वाले लाभों के बारे में बताया गया।बच्चों के माता पिता से वार्ता की गई और उनकी आर्थिक स्थिति को देखा गया एवं बच्चों के खान-पान एवं उचित देखभाल रखने की सलाह दी गई। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के परिवार के सदस्य के मनरेगा कार्ड और राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिया। कमजोर बच्चों के माता-पिता को सलाह दी गई कि आपके बच्चे का एन०आर०सी० में 14 दिन फ्री में इलाज हो सकता है वहाँ इन्हे एडमिट कराया जाये। आंगनबाडी कार्यकत्री को निर्देश दिये गये कि सैम/मैम बच्चों का वजन एवं हाईट की नियमित जांच कराई जाये। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञान प्रकाश सिंह, सीडीपीओ संजीव सिंह, आंगनबाडी कार्यकत्री जैनब, सहायिका सविता और संबंधित उपस्थित रहे।

सपा कार्यकताओं द्वारा किया गया पीडीए सम्मेलन का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- तहसील चंदौसी के विधानसभा क्षेत्र की नगर पंचायत नरौली के बैंकट हाल में समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने जिला संगठनात्मक समीक्षा एवं पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भारती ने कार्यकताओं को विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। मिठाई लाल भारती ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी एवं इंडिया गठबंधन को 2024 के लोकसभा चुनावों में अपार सफलता मिली है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 के विधानसभा चुनावों में भी इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में मजबूती से लड़ेगा और समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। पूर्व

मुख्यमंत्री अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। भारती ने बहुजन समाज से अपील की कि संविधान को बचाने के लिए एकजुट होकर आगे आएं। उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी के पीडीए पंचायत से जुड़कर बाबा साहेब अंबेडकर का सपना पूरा करना होगा। अखिलेश यादव के नेतृत्व पर विश्वास रखते हुए पार्टी को मजबूत बनाएं। उन्होंने चिंता जताई कि आज संविधान खतरे में है, लोकतंत्र पर संकट मंडरा रहा है। देश में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों का आरक्षण घटाया गया है, जो अब खतरे में है। भारती ने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर गंभीर चिंतन कर रही है। उन्होंने बाबा साहेब का नारा एकजुट रहो, शिक्षित रहो, संघर्ष करो को अब संगठन स्तर पर अपनाने की घोषणा की, जो अब विशाल पीडीए का रूप ले चुका है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं लोहिया के अनुयायियों से अपील करते हैं कि साथ मिलकर देश-प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी की सरकार को उखाड़ फेंकें। उन्होंने बताया कि जिले की सभी विधानसभाओं में लगातार पीडीए सम्मेलन हो रहे हैं, जिससे पार्टी मजबूत हो रही है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अम्बेडकर वाहिनी मेहराज अहमद ने कार्यकताओं से कहा कि पदाधिकारियों को गांव-गांव जाकर पीडीए को मजबूत बनाना चाहिए। वहीं, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एम.पी. सिंह जाटव ने कहा कि आज दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक भाजपा सरकार में सुरक्षित नहीं हैं। कार्यक्रम की शुरूआत सामाजिक न्याय के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बी.पी. मंडल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती मनाने से हुई। सम्मेलन में पूर्व प्रत्याशी चंदौसी विधानसभा विमलेश कुमारी जाटव, राष्ट्रीय सचिव अम्बेडकर वाहिनी धीरेंद्र सिंह जाटव, सगीता पाल, विशाल जाटव, जय सिंह सागर (जिला अध्यक्ष अम्बेडकर वाहिनी), विजय पाल सिंह जाटव, रामबहादुर जाटव, राष्ट्रीय सचिव अम्बेडकर वाहिनी अवनीश सागर, शिवम जाटव, पप्पू जाटव, इशांत जाटव, राहुल जाटव, संजीव जाटव, छतपाल जाटव, चेयरमैन बिट्टन मालिक, ताहिर उल्ला खान, उमेश यादव, शोभित कुमार काका, सतीश शर्मा, सद्दाम कुरेशी, अमरीश यादव, मा. आकिल सुभाष पाल, भावेश यादव, रामनिवास दिवाकर, राम सिंह जाटव, भुरे प्रधान, नदीम खान, विपिन यादव, फैजान शाही, सत्यभान सिंह यादव, कपिल देव, गिरीश यादव, विजय पाल सिंह जाटव, सतीश शर्मा, जबर सिंह सागर, उमेश यादव, राजू सागर, भुरे प्रधान, भावेश यादव, विपिन यादव आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह सम्मेलन समाजवादी पार्टी की बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी की सक्रियता को दशार्ता है, जो दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को जागरूक करने के लिए लगातार प्रयासरत है। पार्टी के पदाधिकारियों ने आगामी चुनावों में एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

अमरोहा ज़िले में 2600 मीट्रिक टन एन0पी0के0 की एक रैक हुई प्राप्त

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि जनपद में 10371 मीट्रिक टन यूरिया, 1826 मीट्रिक टन डी०ए०पी० तथा 4664 मीट्रिक टन एन०पी० के० उपलब्धता है। अवगत कराना है कि जनपद में 2600 मीट्रिक टन एन०पी०के० की एक रैक जनपद में प्राप्त हो चुकी है। जनपद में उर्वरक की कोई कमी नही है। किसान भाईयों से भी अनुरोध है कि सन्तुलित मात्रा में ही उर्वरकों का प्रयोग करे, ताकि मृदा उर्वरकता पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अतः किसानों को उनकी जोत के आकार और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरक विक्रय करने के समस्त उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिये गये हैं। इस हेतु लगातार निरीक्षण किये जा रहे हैं, नियमानुसार विक्रय न करने एवं जमीन से अधिक विक्रय करने, ओवररेटिंग व टैगिंग, कालाबाजारी तथा अभिलेख पूर्ण न करने पर सम्बन्धित दोषी उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

जनपद में लोकगीत एवं लोकनृत्य को बढ़ावा देने का कार्य किया जाए.. मुख्य विकास अधिकारी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में क्रीड़ा विभाग एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने खेलो इंडिया कार्यक्रम के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा युवा उत्सव कार्यक्रम को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि लोकगीत एवं लोकनृत्य को बढ़ावा देने का कार्य करें। विकासखण्ड वार लोकगीत, लोकनृत्य पर कार्य करने के निर्देश दिए तथा कलाकारों को चिन्हित करते हुए पुरुस्कृत किया जाए। ग्रामीण खेल मैदान पर विशेष ध्यान दिया जाए। व्यायामशाला को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उप

क्रीड़ा अधिकारी को शतरंज की एक अच्छी प्रतियोगिता कराने के निर्देश दिए। खेलो भारत नीति 2025 पर चर्चा की गयी। खेल को जन आंदोलन बनाने तथा खेलों को शिक्षा के साथ जोड़ने के भी निर्देश दिए। उप क्रीड़ा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक स्कूल से समन्वय करते हुए ग्राम स्तर एवं वार्ड स्तर पर खेल कराएं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी खेल गतिविधियों पर कार्य करें। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, उप क्रीड़ा अधिकारी प्रमिला भारती, एलडीएम ललित कुमार रॉय, खण्ड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह, एवं प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी विनीत सिंह सिद्धू एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया जाएगा पर्युषण महापर्व, आत्मावलोकन और नैतिक मूल्यों का होगा संदेश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- दिगंबर जैन सभा बहजोई के तत्वावधान में दिगंबर जैन मंदिर में पर्युषण महापर्व 28 अगस्त से 8 सितंबर 2025 तक भाद्रपद पंचमी से आसोज वदी एकम तक बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। यह पर्व जैन धर्म के दस लक्षणों–उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन और ब्रह्मचर्य–के स्वाध्याय, अनुसरण और पूजन के माध्यम से आत्मा की शुद्धि और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करेगा। महापर्व के दौरान मंदिर परिसर में विविध धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होंगे, जिनमें सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, णमोकार महामंत्र पाठ, दस लक्षण विधान, सुगंध दशमी पूजन, अनंत चतुर्दशी व्रत और अंत में क्षमावाणी महोत्सव प्रमुख होंगे। ये आयोजन

श्रद्धालुओं को आत्मिक उन्नति और सामाजिक एकता का संदेश देंगे। दिगंबर जैन सभा के महामंत्री सम्भव जैन ने बताया कि पर्युषण महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मावलोकन, क्षमा मांगने और दूसरों को क्षमा करने का महान अवसर है। उन्होंने कहा, यह पर्व समाज में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने और युवा पीढ़ी को धर्म व संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है। इसके लिए विशेष सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह महापर्व संपूर्ण समाज को संयम, शांति और आत्मिक प्रगति का संदेश देगा, जिससे सामाजिक एकता और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना:- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत विभाग वार लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सूची उपलब्ध कराने को भी निर्देशित किया। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त विभागों से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में गति बढाने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि योजना की गलत रिपोटिंग न हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। योजना से संबंधित वेंडर्स की समस्याओं पर भी चर्चा की गयी। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्यामा कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा ,जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, जिला पंचायती राज अधिकारी सीपी सिंह, खण्ड विकास अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी तथा वेंडर्स उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी को सोपा गया ज्ञापन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक इकाई गंगेश्वरी के कार्यकताओं के द्वारा हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम के अंतर्गत लिए जाने वाले संकल्प के पत्र

की कॉपी खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी को सौंपी गई तथा शिक्षकों की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन खंड शिक्षा अधिकारी को सोपा गया। जिसके माध्यम से बताया गया की पात्र शिक्षकों के चयन वेतनमान लगाए जाएं तथा शिक्षकों की रुकी हुए वेतन वृद्धि को बहाल किया जाए। इसी के साथ ज्ञापन में शिक्षकों की अनेको समस्याओं को उठाया गया। ज्ञापन सौंपने के दौरान पवन अग्रवाल ब्लॉक अध्यक्ष, मनवीर सिंह ब्लॉक संरक्षक, जयविंदर सिंह ब्लॉक मंत्री, सुरेश चौहान संगठन मंत्री, कपिल यादव ब्लॉक संयुक्त मंत्री आदि कार्यकर्ता शिक्षक उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेले को कुशल संपन्न कराने हेतु की गई समीक्षा बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय के द्वारा गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट पर आयोजित होने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेला आयोजन हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ कार्तिक पूर्णिमा मेले 2025 को सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण के साथ संपन्न कराने हेतु विचार विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने मेले से संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देश

दिए कि गढ़ मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को मेले के दौरान किसी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए इसके लिए समय से ही सभी व्यवस्था पूर्ण कर ली जाए तथा कार्तिक पूर्णिमा मेले में साफ सफाई का विशेष तौर पर ध्यान दिया जाए। सभी अधिकारी मेले का भ्रमण कर मेले की जानकारी प्राप्त कर ले, जहां पर भी किसी प्रकार की कोई समस्या आ रही है तो उसको समय रहते ही पूर्ण कर लिया जाए जिससे मेले के दौरान अव्यवस्था ना होने पाए।

डायल 112 पुलिस ने गुमशुदा बच्चे को तलाश कर परिजनों को सौंपा

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में संचालित यूपी-112 पुलिस ने बताया कि पीआरवी अपने निर्धारित प्वाइट से दुसरे प्वाइट पर जा रही थी तभी रास्ते में देखा कि एक बच्चा जिसकी उम्र करीब 10 वर्ष है तहसील सम्भल के पास खड़ा हुआ है जो अपने घर का रास्ता भटक गया है काफी परेशान लग रहा है, इसको पुलिस की सहायता की जरूरत है। इवेंट पर पीआरवी कर्मियों द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए बच्चे से घर का पता पूछा तो अपना नाम व घर का पता नही बताया, पीआरवी कर्मियों ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए आस-पास के लोगो से जानकारी कर व कंट्रोल रूम से सम्पर्क कर व्हाट्सएप ग्रुप में सूचना दे कर बच्चे के घर का पता लगया गया जो अपने घर ग्राम महमूदपुर माफी थाना मैनाठेर जनपद मुरादाबाद से भटकते-भटकते सम्भल आ गया था। पीआरवी कर्मियो द्वारा तत्काल बच्चे को उसके परिजनो को सुपुर्द करने के उद्देश्य से उसके ग्राम महमूदपुर माफी पहुँचकर बच्चे को उसके परिजनो के सुपुर्द किया गया। यूपी-112 पुलिस के इस सराहनीय कार्य ने उ0प्र0 पुलिस की छवि को गौरवान्वित किया है, जिसकी जनता द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी तथा बच्चे को पाकर परिजनो द्वारा पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बुढ़नपुर, में एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बुढ़नपुर, में एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण सम्पूर्ण मॉड्यूल के द्वितीय चरण के द्वितीय दिवस का प्रशिक्षण डायट प्राचार्या/उप शिक्षा

निदेशक अमरोहा के निर्देशन में राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त संदर्भदताओं (प्रवक्ता डायट अरविन्द कुमार, प्रवक्ता डायट श्रेयश यादव, प्रवक्ता दीपक कुमार, प्रवक्ता अंकुर सुधांशु,) एवं गेस्ट डा० रणदेव सिंह तोमर, असिस्टेंट प्रोफेसर, जे एस हिन्दू डिग्री कॉलेज, अमरोहा द्वारा अलग अलग सत्रों में दिया गया। प्रशिक्षण का द्वितीय चरण 29.08.2025 को सम्पन्न होगा, तत्पश्चात तृतीय चरण का प्रशिक्षण प्रारंभ किया जायेगा।

चूड़ी की आड़ में स्मैक के काले कारोबार का गोरखधंधा, दो तस्कर गिरफ्तार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के पुराने बाजार में उस वक्त हड़कंप मचा गया। जब पुलिस ने चूड़ी की दुकान पर छापा मारकर नशे का काला कारोबार पकड़ा। कार्रवाई में पुलिस ने तस्कर अबरार और मोहित को गिरफ्तार कर लिया। जिनके कब्जे से 30 हजार रुपये की चरस बरामद हुई है। पुलिस की इस रेड में दुकान मालिक समेत दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि चूड़ी की आड़

में स्मैक और चरस का कारोबार लंबे समय से चल रहा था। फिलहाल आरोपियों से सख्ती से पूछताछ की जा रही है और पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क से पर्दा उठेगा। इस कार्रवाई के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। लोग दबी जुबान में कह रहे हैं कि यह नेटवर्क काफी बड़ा हो सकता है। पुलिस ने साफ किया है कि नशे के इस धंधे में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

बड़े भाई ने छोटे भाई पर कैंची से किया जानलेवा हमला हालत गंभीर

बहजोई /संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र की ईदगाह कॉलोनी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बड़े भाई ने अपने छोटे भाई पर कैंची से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को पहले मुरादाबाद के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार पूरा मामला जनपद संभल के थाना बहजोई ईदगाह कॉलोनी का है जहां एक ही परिवार के भाई-बहन सहित पांच लोग रहते हैं। इनमें अजीम पुत्र अनीश(25)आरिश पुत्र अनीश (20) शामिल हैं। कुछ समय पहले इनके माता-पिता का निधन हो चुका है। सोमवार रात करीब 10 बजे अजीम और आरिश के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि बड़े भाई अजीम ने गुस्से में आकर छोटे भाई आरिश पर धारदार कैंची से हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। इस दौरान आरोपी अजीम मौका पाकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत आरिश को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे अलीगढ़ रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही बहजोई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी अजीम के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही आरोपी को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। स्थानीय लोग सदमे में हैं और घायल आरिश के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

दिल्ली से लखनऊ तक भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा की तैयारियों को लेकर भाकियू की अहम बैठक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बी आर एस एस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सुभाष चाहल ने की, जबकि संचालन निर्देश कुमार ने किया। इस दौरान संगठन द्वारा अक्टूबर माह के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा को सफल बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने बताया कि यह रथ यात्रा दिल्ली के जंतर-मंतर से शुरू होकर लखनऊ में समाप्त होगी। यात्रा को सुचारू और अनुशासित ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने बताया कि इन समितियों में मार्ग नक्शा, स्वागत स्थल, वाहन प्रबंधन, चिकित्सा, स्वागत, सोशल मीडिया, अनुशासन, सुरक्षा, व्यवस्था, आवासीय और रक्षा समितियां शामिल हैं। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष

कुलदीप शर्मा ने पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करने के निर्देश दिए। बैठक में संगठन के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे, जिनमें जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह, जिला महासचिव अनमोल कुमार, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, जिला प्रचार मंत्री कमल सिंह, तहसील अध्यक्ष संभल सुरेन्द्र चौधरी, जिला महामंत्री (अ. मोर्चा) इस्माइल खां, तहसील अध्यक्ष (अ. मोर्चा) मेहंदी हसन, डॉ. वसीम, युवा तहसील महासचिव राजीव कुमार, ब्लॉक महासचिव धीरेन्द्र त्यागी, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, सतेन्द्र चौधरी, मो. हसन, दाउद, चौ. ऋषिपाल सिंह, काविन्द्र गुर्जर, रजा हुसैन, बंटी चौधरी शामिल थे। महिला मोर्चा से ब्लॉक अध्यक्ष रविता देवी, ब्लॉक महासचिव ननिहा देवी, ब्लॉक प्रभारी त्रिदेव देवी, ब्लॉक उपाध्यक्ष निशा देवी और ब्लॉक सचिव अतलेश देवी ने भी बैठक में सक्रिय भागीदारी की। यह रथ यात्रा संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और किसानों के हितों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आईसीसी रैंकिंग: ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने बनाई बढ़त, शुभमन गिल और रोहित शर्मा शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष वनडे खिलाड़ी रैंकिंग की नई जारी सूची में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने बढ़त हासिल की है जबकि शुभमन गिल और रोहित शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा, लेकिन मैके में श्रृंखला के अंतिम मैच में शानदार जीत के बाद आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम को नवीनतम रैंकिंग में बढ़त मिली।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 50 ओवरों के इस मुकाबले में 431/2 का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें उनके तीन बल्लेबाजों ट्रैविस हेड (142), मिच मार्श (100) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 118) ने शतक जड़े। परिणामस्वरूप, तीनों ने वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में अच्छी बढ़त हासिल की, जिसमें हेड एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर, मार्श चार पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ग्रीन 40 पायदान ऊपर चढ़कर 78वें स्थान पर पहुँच गए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के उनके साथी जोश इंगलिस ने भी वनडे बल्लेबाजों की सूची में जगह बनाई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे मैच में 87 रनों की पारी की बदौलत यह दाएं हाथ का बल्लेबाज 23 स्थानों के सुधार के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय जोड़ी शुभमन गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित शर्मा (756) वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि पाकिस्तान के दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं।

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर स्थिति और भी कड़ी है, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला समाप्त होने के बाद श्रीलंका के स्पिनर महेश दीक्षाना 671 रेटिंग अंकों के साथ साथी स्पिनर केशव महाराज के साथ शीर्ष पर हैं। महाराज ने सीरीज के आखिरी मैच में 57 रन देकर 1 विकेट चटकाने के बाद अपनी रैंकिंग खो दी है। उनकी रेटिंग दीक्षाना के बराबर हो गई है, जबकि श्रीलंकाई स्पिनर पूरे हफ्ते मैदान पर नहीं उतरे।

गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में सबसे बड़ा उछाल लुंगी एनगिडी के जरिए आया। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खलिाफ तीन मैचों में सीरीज में सबसे ज्यादा 7 विकेट लेने के बाद छह स्थान की छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी सीन एबॉट (नौ स्थान की छलांग के साथ 48वें स्थान पर) और नाथन एलिस (21 स्थान की छलांग के साथ 65वें स्थान पर) ने भी प्रोटियाज के साथ सीरीज के दौरान कुछ अच्छे प्रदर्शन के बाद वनडे गेंदबाजों की सूची में जगह बनाई है।

अनीष भानवाला के हाथों से छूटा गोल्ड, एशियाई चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

शिमकेंट (कजाखिस्तान) (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अनीष भानवाला ने बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीता। 22 साल के अनीष स्वर्ण पदक की दौड़ में सिर्फ एक अंक से चूक गए। उन्होंने 35 अंक जुटाए जो स्वर्ण पदक विजेता चीन के शु लियानबोफान से एक अंक कम रहा। कांस्य पदक कोरिया के ली जेइकयून ने जीता।

अनीष शुरुआती चार सीरीज के बाद एक अंक से आगे चल रहे थे लेकिन इसके बाद पिछड़ गए। मंगलवार को ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने के अलावा देश को टीम खिताब भी दिलाया। भारत ने प्रतियोगिता में अब तक 72 पदक जीते हैं। प्रतियोगिता में जूनियर स्पर्धाएं भी हो रही हैं। जूनियर निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अब तक 39 स्वर्ण पदक हासिल किए हैं।

कोहली ने भी माना, पुजारा की वजह से नम्बर 4 पर बनाए ढेरों रन!, संन्यास पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुराजा ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया है और उनके संन्यास पर पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने कहा था कि पुजारा का तीसरे नंबर पर योगदान, चाहे आप सहमत हों या नहीं, विराट कोहली को भी खूब रन बनाने में मददगार रहा। अब कोहली ने पुजारा के संन्यास पर एक पोस्ट शेयर की है और उन्हें नम्बर 4 पर काम आसान बनाने के लिए धन्यवाद दिया है।

कोहली ने पुजारा के संन्यास पर देरी से प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया का सहारा लिया। कोहली ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए पुजारा के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'नम्बर 4 पर मेरा काम आसान बनाने के लिए शुक्रिया पुज्जी। आपका करियर शानदार रहा है। बधाई और आगे के लिए शुभकामनाएं। ईश्वर आपका भला करे चेतेश्वर पुजारा।'

गौर हो कि पुजारा भारतीय क्रिकेट में एक उल्लेखनीय विरासत छोड़ गए हैं। उन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7,195 रन बनाए और इस प्रारूप में भारत के आठवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका दबदबा घरेलू क्रिकेट तक भी फैला, जहां उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 21,301 रन बनाए, जिससे अपने दौर के सर्वश्रेष्ठ लाल गेंद विशेषज्ञों में से एक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा और मजबूत हुई।

गंभीर की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, हाई कोर्ट ने इस मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान मुख्य कोच गौतम गंभीर के खिलाफ निचली अदालती कार्यवाही रोकने की याचिका से सहमत नहीं है। गंभीर, उनके फाउंडेशन और परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से कोविड-19 की दवाइयां वितरित करने के आरोप हैं। गंभीर के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने की याचिका दायर की गई थी। हालांकि न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने दृढ़ता से कहा कि अदालत इस अनुरोध पर विचार करेगी।

न्यायाधीश ने कहा, 'अगर आपने एक साधारण अनुरोध किया होता, तो मैं उस पर विचार करती। आप मुझे बहुत सी बातें बताने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे पहले (पार्टी का) नाम, उनकी साख, उनके द्वारा किए गए कार्य। आप नाम उछालने की कोशिश कर रहे हैं जैसे कि यह अदालत में काम करेगा। यह काम नहीं करता।'

अदालत की सुनवाई 8 सितंबर को होनी थी। यह भी कहा गया कि पूर्व सांसद और क्रिकेटर ने लॉकडाउन के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाइयां दान की थीं। हालांकि, उच्च न्यायालय अपने मूल रुख से पीछे नहीं हटा। उच्च न्यायालय ने कहा कि एक बार स्थगन आदेश लागू हो जाने पर सुनवाई तुरंत रुक जाती है, जांच रुक जाती है और पूरा मामला 'अंततः खारिज' हो जाता है।

यह शिकायत मूल रूप से औषधि नियंत्रण विभाग (डीसीडी) द्वारा गंभीर और उनके फाउंडेशन गौतम गंभीर फाउंडेशन और सीईओ अपराजिता सिंह के खिलाफ दर्ज की गई थी। उनकी मां (सीमा गंभीर) और पत्नी (नताशा गंभीर) को भी औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के उल्लंघनकर्ताओं के रूप में नामित किया गया है।

क्या धोनी आईपीएल 2026 में सीएसके के लिए खेलेंगे? सनसनीखेज दावे से खूला राज

स्पोर्ट्स डेस्क। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके एमएस धोनी IPL में अभी भी खेल रहे हैं और पिछले दो सीजन को छोड़ दें तो टीम को 2023 में खिताब भी जीता चुके हैं। पिछले कुछ सालों से पूर्व भारतीय कप्तान IPL से संन्यास लेने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन फ्रैंचाइजी टूर्नामेंट में खेलने की उनकी प्रबल इच्छाशक्ति ने प्रतियोगिता में उनके करियर को और लंबा कर दिया है। वहीं टीम को ऐसे लीडर की भी तलाश है जो धोनी की तरह टीम को जीता सके। एक रिपोर्ट के अनुसार पूर्व भारतीय कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के दिग्गज एमएस धोनी IPL के 2026 संस्करण तक भी अपने खेल करियर को आगे बढ़ा सकते हैं। सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है कि धोनी उनके 2026 IPL में भी खेलने की पूरी संभावना है, बशर्ते उनका शरीर फिट रहें।' धोनी ने 44 साल की उम्र में प्रदर्शन की सीमाओं को पार कर लिया है और ष्टस्न्च के लिए एक लीडर और फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका बरकरार रखी है। पिछले कुछ सीजन में उनके संन्यास को लेकर अटकलें जोरों पर रही हैं, फिर भी धोनी ने लगातार यही कहा है कि उनका फैसला उनकी फिटनेस और टीम में उनके योगदान पर निर्भर करेगा। गौर हो कि धोनी ने 278 मैचों की 242 इनिंग्स में 38.30 की औसत और 137.45 की स्ट्राइक रेट के साथ 5439 रन बनाए हैं। इसके साथ ही विकेटकीपिंग की बात करें तो उन्होंने 200 आउट किए हैं जिसमें 153 कैच और 47 स्टंपिंग शामिल हैं। इसी के साथ ही धोनी ने फील्डिंग के दौरान 18 डायरेक्ट रन आउट और 36 थ्रो रन आउट किए हैं।

रिंकू सिंह का यूपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन जारी, कप्तान ने जड़ा ताबड़तोड़ अर्धशतक

स्पोर्ट्स डेस्क। रिंकू सिंह भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के जाने-माने फिनिशर हैं और एशिया कप से पहले वह अपनी पावर-हिटिंग से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कुछ मैच पहले गोरखपुर लायंस के खिलाफ 48 गेंदों में 108 रन बनाए थे और अब लखनऊ फाल्कन्स के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 27 गेंदों में 57 रन ठोक दिए हैं। रिंकू सिंह 10वें ओवर में 73 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। स्पिनरों के खिलाफ उनका प्रदर्शन काफी धीमा रहा, लेकिन तेज गेंदबाजों के खिलाफ उन्होंने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। इस क्रिकेटर ने तेज गेंदबाजों की 21 गेंदों पर 46 रन बनाए। उन्होंने अपने 63 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए जिसमें तीन चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनकी पारी ने मध्य ओवर में मेरठ मावेरिक्स के स्कोर को बढ़ाया और 18वें ओवर में उनके आउट होने तक स्कोर 167 रन हो चुका था। इस प्रकार एशिया कप 2025 से पहले रिंकू सिंह अपनी लय में दिख रहे हैं और आगामी मैचों में भी इसी लय को जारी रखना चाहेंगे। रिंकू सिंह के साथ स्वास्तिक चिकारा और ऋतुराज शर्मा ने भी अर्धशतक जड़े।

अश्विन ने आईपीएल से भी संन्यास लिया, विदेशी लीग में खेलने की संभावना

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से भी संन्यास की घोषणा कर दी है। अश्विन ने पहले ही टेस्ट को अलविदा कह दिया था। ऐसे में अब अश्विन किसी भी प्रारुप में पेशेवर क्रिकेट में नहीं दिखेंगे। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास उन्होंने पिछले साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में ही ले लिया था। ये अनुभवी स्पिनर आईपीएल के पिछले सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से उतरा था पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा था कि उनको इस बार टीम अपने साथ नहीं रखेगी, इसी को देखते हुए उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया। सोशल मीडिया पर अश्विन ने अपनी रिटायरमेंट की घोषणा की है। अश्विन ने लिखा, खास दिन और इसलिए एक खास शुरुआत कहते हैं हर अंत की एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के तौर पर मेरा समय आज खत्म हो रहा है पर विभिन्न लीगों में खेल के अवसर के तौर पर मेरा समय आज से शुरू हो रहा है। ऐसे में अटकलें हैं कि अब वह विदेशी लीग में खेल सकते हैं। अश्विन ने कहा, मैं सभी फ्रेंचाइज़ियों, आईपीएल और बीसीसीआई को इतने सालों की शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, और सबसे बढ़कर को उन्होंने मेरा अभी तक साथ दिया है। अब जो भी आगे होना है मैं उसका आनंद लेने के लिए तैयार हूं। आंकड़ों पर नजर डालें तो अश्विन ने आईपीएल में कुल 187 विकेट लिए, जिससे उन्होंने पांचवें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में अपने करियर का समापन किया, उन्होंने पांच अलग-अलग टीमों के लिए 16 सत्र खेले हैं।

सिंकिफील्ड कप शतरंज : प्रज्ञानन्दा और करूआना शीर्ष पर, खिताब की दौड़ अंतिम राउंड तक पहुँची

सेंट लुईस, अमेरिका (एजेंसी)। ग्रांड चेस टूर 2025 के पाँचवें पड़ाव सिंकिफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट का रोमांच चरम पर पहुँच गया है। आठवें राउंड के बाद भारत के आर. प्रज्ञानन्दा और अमेरिका के फबियानों करूआना संयुक्त रूप से 5 अंकों के साथ शीर्ष पर चल रहे हैं और खिताब का फैसला अब अंतिम राउंड में होगा।

आठवें राउंड में प्रज्ञानन्दा ने अमेरिका के वेसली सो के खिलाफ संतुलित खेल दिखाते हुए बाजी ड्रॉ खेली। वहीं करूआना नें फ्रांस के मकसीम वाशिए-लाग्राव से आधा अंक बाँटा। मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश ने अमेरिका के लेवान अरोनियन से बेहद संघर्षपूर्ण ड्रॉ खेला। इस परिणाम से अरोनियन और सो दोनों 4.5/8 पर बने हुए हैं।

दिन की सबसे बड़ी जीत उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने दर्ज की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पोलैंड के जान-क्रिज्सटोफ डूडा और अमेरिका के सैम सेवियन के बीच, तथा अन्य मुकाबले भी बराबरी पर छूटे।

अब अंतिम राउंड में करूआना का सामना विश्व चैम्पियन गुकेश से होगा जबकि प्रज्ञानन्दा की भिड़ंत अरोनियन से होगी। तय है कि खिताब जीतने के लिए अंतिम बाजी बेहद निर्णायक साबित होगी। गुकेश जहां इस टूर्नामेंट में जीत के साथ अपने सफर का अंत करना चाहेंगे और अगर वह ऐसा करते है तो प्रज्ञानन्दा ख़िताबी जीत के और करीब होंगे और साथ ही फीडे कैंडिडैट में जगह लगभग पक्की कर सकते है।

नीरज चोपड़ा आज होने वाले डायमंड लीग फाइनल में जीत के इरादे से उतरेंगे

बर्न। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा गुरुवार को यहां स्विट्जरलैंड में होने वाले डायमंड लीग के फाइनल में जीत के इरादे से उतरेंगे। नीरज ने यहां पहले भी डायमंड लीग का खिताब जीता था। फाइनल के पहले दिन ज्यूरिख के सेचसेलौटेनप्लात्ज में शहर के प्रतिष्ठित ओपेरा हाउस के ठीक सामने एक स्ट्रीट इवेंट में पांच फील्ड स्पर्धाएं होंगी। नीरज ने इस सत्र में दो डायमंड लीग प्रतियोगिताओं में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। दोहा में 90.23 मीटर के साथ वह दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस चरण में 88.16 मीटर के साथ पहले नंबर पर रहे थे। ??फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के बाद वह तैयारी के लिए 2025 डायमंड लीग के सिलेसिया और ब्रुसेल्स चरण से बाहर रहे थे। ज्यूरिख में होने वाले फाइनल में सात खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमें छह खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 10 का हिस्सा हैं, ऐसे में नीरज को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स मौजूदा डायमंड लीग चैंपियन के रूप में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल उन्होंने नीरज को हराया था। वहीं जर्मनी के जूलियन वेबर ने साल की शुरुआत में ही दोहा में नीरज को पराजित किया था। इस लीग में लंदन 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट और पूर्व विश्व खिताब धारक जूलियस येगो भी शामिल होंगे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा रात 11:15 बजे शुरू होगी।

जॉन मूनी 6 साल बाद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम में वापसी, एशिया कप से पहले मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जॉन मूनी छह साल के अंतराल के बाद अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। बुधवार को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने घोषणा की कि मूनी को उनकी राष्ट्रीय टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है।

मूनी ने 2018 से 2019 तक अफगानिस्तान के साथ काम किया था, को शेन मैकडरमॉट के जाने के बाद यह पद खाली होने पर नियुक्त किया गया था। मैकडरमॉट वर्तमान में पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के फील्डिंग कोच के रूप में मार्गदर्शन कर रहे हैं। मूनी ने 91 अंतरराष्ट्रीय मैचों में आयरलैंड का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें 2007, 2011 और 2015 के तीन आईसीसी क्रिकेट विश्व कप और दो आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप शामिल हैं। उनके पास इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2 और 1 कोचिंग सर्टिफिकेट हैं।

अफगानिस्तान के साथ काम करने के अलावा मूनी ने 2019 में वेस्टइंडीज के साथ और इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के साथ भी काम किया है। ACB ने ऑस्ट्रेलिया के निर्मलन थानाबालासिंगम को अपना नया फिजियोथेरेपिस्ट भी नियुक्त किया है। थानाबालासिंगम फिजियोथेरेपी और खेल विज्ञान में एक मजबूत शैक्षिक और व्यावसायिक पृष्ठभूमि लेकर आए हैं।

उन्होंने 2010 में फिजियोथेरेपी में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की, और 2008 में सिडनी विश्वविद्यालय से व्यायाम और खेल विज्ञान में अनुप्रयुक्त विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह ऑस्ट्रेलिया के फिजियोथेरेपी बोर्ड में एक पंजीकृत चिकित्सक और ऑस्ट्रेलियाई फिजियोथेरेपी एसोसिएशन के एक सक्रिय सदस्य हैं। अफगानिस्तान वर्तमान में अबु धाबी में एक प्रशिक्षण और तैयारी शिविर में भाग ले रहा है, जहां वे त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें पाकिस्तान और मेजबान संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं, साथ ही पुरुष टी20 एशिया कप 2025 भी शामिल है।

गेमिंग एप पर प्रतिबंध से बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों को हुआ करोड़ों का नुकसान

मुम्बई। ऑनलाइन गेमिंग एप पर केन्द्र सरकार के प्रतिबंध के फैसले से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सहित कई स्टार क्रिकेटरों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। एक अनुमान के अनुसार प्रतिबंध के फैसले से बीसीसीआई को करीब 245 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं गेमिंग एप का प्रचार कर रहे विराट कोहली से लेकर रोहित शर्मा और महेन्द्र सिंह धोनी को भी करोड़ों रुपयों का नुकसान हुआ है। भारत सरकार के पैसे से जुड़े सभी गेमिंग एप पर पाबंदी लगाने के बाद इन कंपनियों ने सारे विज्ञापन बंद कर दिये हैं और प्रायोजकों से भी करार समाप्त कर दिया है। इसके अलावा भी दर्जनों क्रिकेटरों को केंद्र सरकार के नए आदेश से झटका लगा है। बीसीसीआई को ड्रीम11 से प्रायोजक के तौर पर सालाना करीब 120 करोड़ रुपये मिलते थे। इसके अलावा आईपीएल का एसोसिएट प्रायोजक माय11सर्किल था, जिसके साथ करीब 125 करोड़ रुपये सत्र का अनुबंध था। इस तरह बोर्ड को करीब 250 करोड़ का नुकसान हुआ है। बीसीसीआई को हालांकि फिर भी दूसरे प्रयोजक मिल जाएंगे पर इतनी अधिक रकम मिलना संभव नहीं है। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक, विराट, रोहित और धोनी के अलावा अन्य खिलाड़ियों को भी प्रचार के लिए करोड़ों रुपये गेमिंग कंपनियों से मिले रहे थे जो अब नहीं मिलेंगे। विराट की करें तो उनका मोबाइल प्रीमियर लीग यानी एमपीएल के साथ 10 से 12 करोड़ रुपये का करार था जबकि रोहित शर्मा का 6 से 7 करोड़ का करार डील ड्रीम11 के साथ था। इसी प्रकार धोनी को भी 6 से 7 करोड़ विंजो से मिलते थे। रोहित के अलावा जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, ऋषभ पंत और पांड्या बंधुओं के भी ड्रीम11 के साथ करोड़ों रुपयों के कारण पर जुड़े थे जबकि टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़ आदि भी एक गेमिंग कंपनी माय 11 सर्कल से अनुबंधित थे।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर को हुआ कैंसर, देश को जिता चुका है वर्ल्ड कप

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप जिताने वाले पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क इन दिनों जिंदगी की सबसे कठिन पारी खेल रहे हैं। क्लार्क स्किन कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए बताया कि ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में यह घातक बीमारी कोई अफवाह नहीं बल्कि सच है। उन्होंने बताया कि उनकी नाक से एक और कैंसर हटाने के लिए सर्जरी हुई है और उन्होंने फैंस को सावधानी बरतने और समय पर जांच कराने की अपील भी की।

स्किन कैंसर कोई अफवाह नहीं है, ये हकीकत है

क्लार्क ने सोशल मीडिया पर अपने हालिया ऑपरेशन की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी नाक से स्किन कैंसर के एक नए हिस्से को हटाया गया है। पोस्ट में क्लार्क ने बीमारी को लेकर लोगों को आगाह करते हुए लिखा, 'स्किन कैंसर कोई अफवाह नहीं है, ये हकीकत है, खासकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में। आज मेरी नाक से एक और कैंसर हटाया गया। ये एक फ्रेंडली रिमाइंडर है कि अपनी स्किन की नियमित जांच जरूर करवाएं। जल्दी पहचान ही बचाव का सबसे बड़ा तरीका है।'

2006 से चल रही है लड़ाई

माइकल क्लार्क को 2006 में पहली बार इस बीमारी का पता चला था। तब से अब तक वह कई बार इसके इलाज से गुज चुके हैं। यह उनका पहला ऑपरेशन नहीं है, बल्कि एक लंबी प्रक्रिया का हिस्सा है जिसमें उन्होंने बार-बार स्किन कैंसर को हराने की कोशिश की है।

क्रिकेट जगत में अकेले नहीं

क्लार्क इस बीमारी से लड़ने वाले अकेले नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने भी हाल ही में स्किन कैंसर से जूझने की बात कही थी। वहीं दिग्गज कमेंटेटर रिची बेनो की 2015 में इसी बीमारी से मौत हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया की तेज धूप और जलवायु स्किन से जुड़ी बीमारियों के लिए विशेष रूप से जोखिम भरी मानी जाती है।

माइकल क्लार्क का क्रिकेट करियर

टेस्ट : 115 मैच, 8,643 रन, 49.10 की औसत, 28 शतक और 27 अर्धशतक, सर्वश्रेष्ठ स्कोर 329*

वनडे : 245 मैच, 7,981 रन, 44.58 की औसत, 8 शतक और 58 अर्धशतक, सर्वश्रेष्ठ स्कोर 130

टी20 अंतरराष्ट्रीय : 34 मैच, 488 रन, 21.21 की औसत

क्लार्क ने 2013-14 में एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से जीत दिलाई।

2015 में ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप (ICC Cricket World Cup) जीतने में नेतृत्व किया।

इस रिएलिटी शो में नजर आएंगे अर्जुन बिजलानी

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। 'मिले जब हम तुम', 'लेफ्ट राइट लेफ्ट' और 'नागिन' जैसे लोकप्रिय शोज में अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत चुके अर्जुन अब एक नए रियलिटी शो का हिस्सा बनने जा रहे हैं। शो का नाम है 'राइज एंड फॉल', जिसे सितंबर में अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया इमोशनल वीडियो अर्जुन बिजलानी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया था, जिसने उनके फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया। वीडियो में अर्जुन अपनी पत्नी नेहा और बेटे अयान का जिक्र करते हुए कहते हैं कि उन्हें एक मुश्किल फैसला लेना पड़ा है और अब वो एक अलग रास्ते पर बढ़ रहे हैं। उन्होंने अपने परिवार का हमेशा साथ देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह निर्णय उनके लिए आसान नहीं था। वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई। कई लोगों ने इसे उनके निजी जीवन से जोड़ दिया और अलगाव की अटकलें भी लगाईं। लेकिन बाद में साफ हुआ कि यह वीडियो असल में उनके आने वाले शो 'राइज़ एंड फॉल' से जुड़ा था।

'राइज एंड फॉल' एक हाई-वोल्टेज रियलिटी शो है जिसमें 16 कंटेस्टेंट्स हिस्सा लेंगे। शो का फॉर्मेट पावर और स्ट्रैटेजी पर आधारित है। इसमें कंटेस्टेंट्स को दो वर्गों में बांटा जाएगा- शासक और कामगार। शासकों के पास अधिकार और फैसले लेने की ताकत होगी, जबकि कामगारों को उनका पालन करना होगा। लेकिन इस खेल में सत्ता स्थायी नहीं है। किसी भी वक्त शासक कामगार बन सकता है और कामगार शासक। इस तरह शो में लगातार ट्विस्ट एंड टर्न्स देखने को मिलेंगे।

अर्जुन बिजलानी के लिए नया चैलेंज

अर्जुन बिजलानी लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने रोमांस से लेकर थ्रिलर और रियलिटी शोज तक हर फॉर्मेट में अपनी छाप छोड़ी है। लेकिन 'राइज एंड फॉल' उनके करियर का एक बिल्कुल नया मोड़ है। यह शो न केवल उनकी रणनीतिक सोच बल्कि धैर्य की भी परीक्षा लेगा।

रागिनी एमएमएस 3 में तमन्ना की एंट्री

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों लगातार फिल्में साइन कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अजय देवगन की रेड 2 में स्पेशल अपीयरेंस दिया था और अब रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एकता कपूर की सबसे चर्चित हॉरर-थ्रिलर फैंचाइजी रागिनी एमएमएस 3 के तीसरे पार्ट में नजर आ सकती हैं। अगर सब कुछ तय होता है तो यह तमन्ना के करियर का सबसे अलग और बोल्ड प्रोजेक्ट साबित हो सकता है।

तमन्ना ने साइन की रागिनी एमएमएस 3

रिपोर्ट की मानें तो एकता कपूर काफी समय से रागिनी एमएमएस 3 को बनाने की प्लानिंग कर रही थीं। लंबे ब्रेनस्टॉर्मिंग के बाद अब उन्हें ऐसा सब्जेक्ट मिल गया है जो इस हॉरर यूनिवर्स के साथ पूरी तरह मेल खाता है। कहा जा रहा है कि फिल्म का शूटिंग शेड्यूल 2025 के आखिर में शुरू होगा। सूत्रों के मुताबिक, तमन्ना से इस फिल्म को लेकर बातचीत उनकी आने वाली फिल्म वीवन के सेट पर हुई थी, जहां उन्होंने स्क्रिप्ट सुनकर फिल्म को हां कर दिया है। खबरें ये भी हैं कि फिल्म सिर्फ डर और थ्रिल तक सीमित नहीं होगी बल्कि इसमें म्यूजिक और ग्लैमर का तड़का भी लगेगा। मेकर्स ऐसा चार्टबस्टर सॉन्ग तैयार करने की कोशिश में हैं जो पूरे देश में धूम मचा दे। हालांकि इसे लेकर कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं हुआ है। साल 2011 में रिलीज हुई पहली रागिनी एमएमएस में राजकुमार राव और कैनाज मोटिवाला लीड में थे। फिल्म को दर्शकों ने हॉरर और थ्रिल के नए कॉम्बिनेशन के तौर पर सराहा। इसके बाद 2014 में आई दूसरी किस्त रागिनी एमएमएस 2, जिसमें सनी लियोनी नजर आईं। यह फिल्म भी हिट रही और इसके गाने लंबे समय तक पार्टी चार्ट पर छाए रहे। अब पूरे दस साल बाद एकता कपूर इस फैंचाइजी को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं और तमन्ना को इसके लिए एकदम परफेक्ट फिट माना जा रहा है।

तमन्ना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

तमन्ना के पास इस वक्त कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह विशाल भारद्वाज की फिल्म रोमियो में शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। वहीं एक्शन स्टार जॉन अब्राहम के साथ भी उनका एक प्रोजेक्ट पाइपलाइन में है। सबसे चर्चित फिल्म उनकी वीवन है जिसमें वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की रिलीज डेट पहले ही तय हो चुकी है और यह 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

30 साल बाद रजनीकांत के साथ काम करेंगे मिथुन

वेटरेन एक्टर मिथुन चक्रवर्ती 75 साल की उम्र में भी फिल्मों में लगातार सक्रिय हैं। वो जल्द ही विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में नजर आएंगे। इसके अलावा मिथुन चक्रवर्ती की पाइपलाइन में साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भी है। इसको लेकर पिछले काफी वक्त से चर्चा चल रही थी। बातचीत के दौरान मिथुन चक्रवर्ती ने इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए बताया है कि वो रजनीकांत के साथ फिल्म 'जेलर 2' में नजर आने वाले हैं। रजनीकांत के साथ अपनी दोस्ती और बॉन्डिंग को लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी और रजनी की दोस्ती बहुत पुरानी है। हम अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री से आते हैं, लेकिन दिल से हमेशा जुड़े रहे। हाल ही में हम एक कार्यक्रम में मिले। रजनी ने मजाक में कहा कि अब हमें साथ कुछ करना चाहिए। मैंने उसी वक्त हां कह दिया। यह सिर्फ फिल्म नहीं बल्कि दो दोस्तों का मिलन है।रजनीकांत और मिथुन चक्रवर्ती लगभग 30 साल बाद एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों इससे पहले आखिरी बार साल 1995 में आई बंगाली भाषा की फिल्म 'भाग्य देवता' में नजर आए थे। इस फिल्म में रजनीकांत का स्पेशल अपीयरेंस था और यह उनकी एकमात्र बंगाली फिल्म भी है।

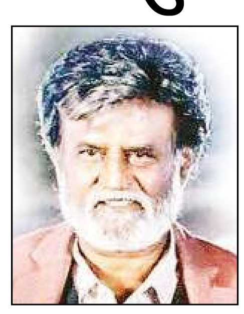

मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ने दर्शकों का दिल जीता, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। लेकिन, तनीषा का मानना है कि उनकी हर फिल्म ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। अपनी फिल्मी यात्रा के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर एक ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। चाहे वो भावनाओं से भरी फिल्म टैंगो चार्ली हो, मस्ती भरी फिल्में पॉपकॉर्न या नील एन निक्की या फिर कॉमेडी जैसी 123, हर फिल्म का अनुभव अलग रहा। सरकार जैसी फिल्म मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था, जहां मैंने राजनीति पर बनी कहानी में शानदार कलाकारों के साथ काम किया। अभिनेत्री के करियर की तो उन्होंने फिल्म टैंगो चार्ली में बॉबी देओल के अपोजिट लच्छी का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और गहरी भावनाओं वाली भूमिका थी। यह फिल्म जंग और फर्ज की सच्चाइयों पर आधारित थी। पॉपकॉर्न... में तनीषा ने एक कॉलेज थीम वाली फिल्म में युवा जोश को जीवंत किया था। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित इस फिल्म में उनका चुलबुला अंदाज और बेफिक्र किरदार दर्शकों को खूब भाया। यह फिल्म आज भी युवा ऊर्जा और कॉलेज जीवन की मस्ती को दर्शाती है। नील एन निक्की में तनीषा ने आधुनिक रोमांस की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म यात्रा, संगीत और युवा आकर्षण से भरी थी। तनीषा ने अपने किरदार को रंगीन और जीवंत अंदाज में पेश किया, जो आज भी समकालीन रोमांस का प्रतीक है। वहीं, सरकार में तनीषा ने अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। जटिल कहानी और गहरे किरदारों के बीच उनका अभिनय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, जो आज भी प्रशंसनीय है।

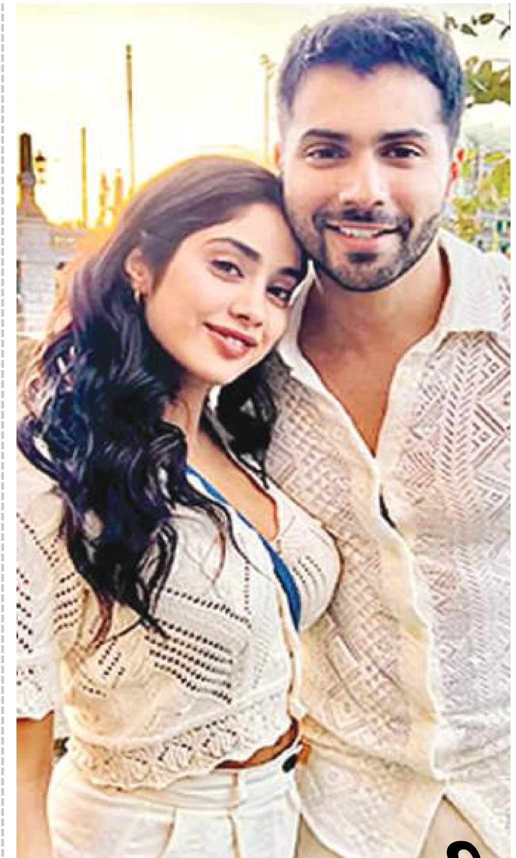

वरुण-जान्हवी की फिल्म की शूटिंग हुई खत्म

वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ स्टारर फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग आखिरकार पूरी हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है, जो पहले भी वरुण धवन के साथ हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी सफल फिल्में बना चुके हैं।

रैप-अप फोटो से हुआ ऐलान

फिल्म के सेट से शूटिंग खत्म होने की घोषणा बड़े ही खास अंदाज में की गई। पूरी स्टारकास्ट ने एक साथ टीम फोटो क्लिक करवाई, जिसमें सभी कलाकार खास टी-शर्ट पहने दिखाई दिए। इस फोटो को रोहित सराफ ने सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि इस फिल्म को बनाते समय पूरी टीम ने बहुत मस्ती की और दर्शकों को भी यह फिल्म खूब पसंद आएगी। वरुण धवन ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पर्दे के पीछे की तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें करण जौहर और डायरेक्टर शशांक खेतान भी नजर आए। वरुण ने कैप्शन में लिखा कि ये फिल्म पूरी हो चुकी है और वह एक बार फिर शशांक खेतान के निर्देशन में दर्शकों से मिलने आ रहे हैं। उन्होंने रिलीज डेट का भी जिक्र किया और बताया कि फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

जान्हवी और सान्या संग वरुण की नई केमिस्ट्री

फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों के बीच इसकी काफी चर्चा रही है। वरुण और जान्हवी इससे पहले भी साथ नजर आ चुके हैं, लेकिन इस बार उनकी जोड़ी रोमांटिक कॉमेडी में नए अंदाज में दिखाई देगी। वहीं, सान्या मल्होत्रा की मौजूदगी फिल्म में ताजगी लाने वाली है। रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे

बॉक्स ऑफिस पर होगा टकराव

दिलचस्प बात यह है कि सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की रिलीज डेट पहले से ही चर्चा में है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज होगी और इसी दिन कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। दोनों फिल्मों की भिड़ंत से बॉक्स ऑफिस पर जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगा। निर्देशक शशांक खेतान और वरुण धवन की जोड़ी पहले भी दर्शकों को एंटरटेन कर चुकी है। हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया दोनों ही फिल्में हिट साबित हुई थीं। ऐसे में दर्शकों को इस तीसरे प्रोजेक्ट से भी बड़ी उम्मीदें हैं।

अल्लू की AA22XA6 में राम्या कृष्णन की एंट्री
पहली बार साथ में करेंगे काम

बाहुबली में राजमाता शिवगामी का दमदार किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुईं दिग्गज अभिनेत्री राम्या कृष्णन अब अल्लू अर्जुन की अगली धमाकेदार फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में उनका रोल काफी अहम बताया जा रहा है। राम्या की कास्टिंग से इस फिल्म की स्टार कास्ट और भी ज्यादा दमदार हो गई है, जिसमें पहले से ही दीपिका पादुकोण, मृणाल ठाकुर, रश्मिका मंदाना और जाह्नवी कपूर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह पहला मौका होगा जब राम्या, अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर एटली तीनों के साथ काम करेंगे। सूत्रों के अनुसार, वो जल्द ही फिल्म के आने वाले शूटिंग शेड्यूल में शामिल होंगी।

फिल्म की कहानी एक पैरेलल यूनिवर्स में सेट है

AA22XA6 को एक हाई-कॉन्सेप्ट एक्शन फिल्म के तौर पर पेश किया जा रहा है, जिसकी कहानी एक पैरेलल यूनिवर्स में सेट है। फिल्म का स्केल बहुत बड़ा है और इसे हॉलीवुड स्तर का बनाने की कोशिश की जा रही है। फिल्म की शूटिंग जून में मुंबई में शुरू हो गई थी, जहां अल्लू और मृणाल कुछ एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म का बजट बहुत बड़ा है और इसे 2026 के अंत तक दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग है।

लॉस एंजिल्स की टॉप VFX कंपनियां संभाल रहीं काम

फिल्म के एक्शन को और भी शानदार बनाने के लिए, एटली ने हॉलीवुड के जाने-माने स्टंट कोरियोग्राफर्स को भी टीम में शामिल किया है, जिसमें फास्ट एंड फ्यूरियस और कैप्टन अमेरिका सिविली वॉर जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके स्पिरो रजाटोस भी शामिल हैं। फिल्म में स्पेशल इफेक्ट्स का काम लॉस एंजिल्स की टॉप VFX कंपनियां संभाल रही हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार विजुअल अनुभव मिल सके। म्यूजिक की बात करें तो, इस बार एटली ने अपने पुराने और भरोसेमंद साथी अनिरुद्ध रविचंदर के बजाय पिछले साल के वायरल हिट कैची सेरा के म्यूजिशियन साई अभ्यंकर पर भरोसा जताया है। वहीं अल्लू की आने वाली अन्य फिल्मों में पुष्पा 3 भी है। अल्लू इस समय अपनी कई बड़ी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। AA22XA6 के अलावा, उनकी और भी कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुष्पा 3- द रैम्पेज 2026 में रिलीज हो सकती है। पुष्पा 3 में अल्लू एक बार फिर पुष्पा राज के किरदार में नजर आएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।